आषाढ़ शुक्ल पक्ष -11-12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 20 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
25 जुलाई 2026 शनिवार

आज का मौसम
27.0 अधिकतम
23.1 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

पुलिस ने जंतर-मंतर पर बैरिकेडिंग बढ़ाई, प्रधान के इस्तीफे पर आज जवाब देगी सरकार

कॉकरोच जनता पार्टी को डर..किराए के लोग आंदोलन में भड़का सकते हैं हिंसा

- सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके को टाइफाइड हुआ
- जंतर-मंतर पहुंचे राहुल गांधी, कहा-प्रधान को दूसरे मंत्रालय में भेजना मंजूर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी को अंदेशा है कि आने वालों दिनों में जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शन से निपटने के लिए अधिक सख्ती की जा सकती है। सीजपी के सौरव दास ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा, 'इस बात को लेकर चिंताएं हैं कि आने वाले दिनों में स्थिति कहीं अधिक कठोर दमनात्मक कार्रवाई की ओर बढ़ सकती है। अधिकारी किराए पर लाए गए लोगों का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो प्रदर्शनकारियों का भेष धारण कर जंतर-मंतर और आसपास के प्रदर्शन स्थलों पर हिंसा भड़काने की कोशिश करें। इससे झड़प, भगदड़ या अन्य अप्रिय घटनाएं हो सकती हैं।

इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके ने एक वीडियो जारी कर खुद को टाइफाइड होने की जानकारी दी है। वहीं, दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर रात जंतर-मंतर पर बैरिकेडिंग बढ़ा दी है। कल केंद्रीय मंत्रियों से बैठक के बाद CJP ने कहा था कि अगर प्रधान का इस्तीफा नहीं होता तो 20 जुलाई जैसा एक्शन लेंगे।

कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के खत?म होने के आसार फिलहाल नहीं दिख रहे हैं। सरकार और संगठन में बातचीत के बाद भी गतिरोध बना हुआ है।प्रवक्ता आशुतोष रांका ने साफ कहा है कि अगर धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते हैं तो सरकार के साथ आगे की बैठकों का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। रांका के अनुसार कल की बैठक में मुआवजे और प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर सरकार की तरफ से सकारात्मक जवाब मिला था। उन्हें उम्मीद है कि इन पर सरकार की तरफ से लिखित जवाब भी मिलेगा।

फास्ट-ट्रैक कोर्ट में सुनवाई शुरू

दिल्ली की स्पेशल फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले की सुनवाई शुरू कर दी है। इस कोर्ट की स्पेशल जज अनु ग्रोवर बलिगा ने आज कार्यभार संभाल लिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में इस विशेष अदालत का गठन किया था, जो पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी से जुड़े सभी आपराधिक मामलों की सुनवाई करेगी। साथ ही, सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम, 2024 के तहत दर्ज लंबित मामलों को भी इसी अदालत में ट्रांसफर किया जाएगा, ताकि उनकी जल्द सुनवाई हो सके।

टीईटी पेपर लीक का मुख्य आरोपी वीरेंद्र गिरफ्तार

जंतर मंतर पर चल रहे घटनाक्रम के बीच चर्चित टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी वीरेंद्र कुमार गुप्ता को बिहार से गिरफ्तार कर लिया गया है। कई दिनों से उसकी तलाश की जा रही थी। भिवंडी पुलिस की विशेष टीम ने बिहार में अभियान चलाकर यह कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद वीरेंद्र कुमार गुप्ता को बिहार से हवाई मार्ग के जरिए पुणे एयरपोर्ट लाया गया है। वहां से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उसे भिवंडी ले जाया जाएगा। इसके बाद उसे अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। टीईटी पेपर लीक मामले में वीरेंद्र कुमार गुप्ता की भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि उससे पूछताछ के दौरान पूरे पेपर लीक नेटवर्क, इसमें शामिल अन्य आरोपियों, आर्थिक लेन-देन और साजिश से जुड़े कई महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

पटना में प्रदर्शन उग्र, लाठीचार्ज

नीट पेपर लीक मामले को लेकर बुलाए गए बिहार बंद के दौरान राजधानी पटना में आज तनावपूर्ण स्थिति देखने को मिली। डाकबंगला चौराहे पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे छात्रों को पुलिस ने पहले हटाने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शन तेज होने पर लाठीचार्ज किया गया। कार्रवाई के दौरान छात्रों को खदेड़ दिया गया और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। डाकबंगला, गांधी मैदान और आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, जबकि पुलिस लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है।

जहां पूर्वाग्रह और दुराग्रह हों, वहां संवाद नहीं, सिर्फ टकराव ही जन्म लेता है...

लोकतंत्र संवाद से चलता है, लेकिन संवाद की भी एक अनिवार्य शर्त होती है। पूर्वाग्रह से मुक्त मन और सत्य को स्वीकार करने का साहस। यदि किसी पक्ष का लक्ष्य समाधान नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में टकराव पैदा करना हो, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि ऐसे दुराग्रह से ग्रस्त समूहों के साथ संवाद का क्या औचित्य ? ऐसे में संवाद की कोशिश भी टकराव को ही जन्म देगी। नीट परीक्षा में पेपर लीक के बाद देशभर में फैला आक्रोश पूरी तरह न्यायोचित था। करोड़ों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े इस मामले ने सरकार की साख पर भी प्रश्नचिह्न लगाए। केंद्र सरकार ने दोबारा परीक्षा कराई, जांच एजेंसियों को सक्रिय किया और कथित मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। सामान्य परिस्थितियों में यहीं से विवाद समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन घटनाक्रम इसके बाद भी लगातार नए रूप लेता गया।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

इससे पहले विश्वविद्यालय परिसरों में कथित भेदभाव और उत्पीड़न से जुड़े मामलों को लेकर यूजीसी ने नए विनियम लागू किए। इन पर व्यापक विवाद हुआ और अंततः सर्वोच्च न्यायालय ने अंतरिम रोक लगा दी। उधर, एनसीईआरटी की कुछ पाठ्यपुस्तकों को लेकर भी विवाद खड़ा हुआ। क्या मंत्रालय ने इन निर्णयों के राजनीतिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभावों का समुचित आकलन किया था? यदि नहीं, तो यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि नीति-निर्माण की गंभीर कमजोरी भी कही जाएगी। यहीं से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही पर बहस शुरू होती है। यदि बार-बार ऐसे विवाद सामने आएँ जिनका राजनीतिक लाभ विरोधियों को और नुकसान सरकार को मिले, तो आत्ममंथन अनिवार्य हो जाता है।

यहीं से वास्तविक बहस प्रारंभ होती है...

पिछले कुछ समय में कुछ नए चेहरे अचानक राष्ट्रीय आंदोलनों के केंद्र में दिखाई देने लगे हैं। अभिजीत दिपके का विदेश से भारत आकर सक्रिय होना भी अनेक प्रश्न खड़े करता है। लोकतंत्र में किसी भी नागरिक को किसी भी आंदोलन में भाग लेने का अधिकार है। किंतु जब कोई व्यक्ति अचानक राष्ट्रीय विमर्श का प्रमुख चेहरा बन जाता है, तब उसके संगठनात्मक संबंध, वित्तीय स्रोत और घोषित उद्देश्य को लेकर प्रश्न उठना अस्वाभाविक नहीं हैं। यदि सब कुछ स्वाभाविक है, तो पारदर्शिता से किसी को परहेज़ नहीं होना चाहिए। और यदि किसी प्रकार के बाहरी वैचारिक, संस्थागत अथवा वित्तीय प्रभाव की आशंका व्यक्त की जाती है, तो उसका उत्तर भी निष्पक्ष और प्रमाण-आधारित जांच से ही मिलना चाहिए।

डिजिटल मीडिया आज राजनीति का सबसे बड़ा रणक्षेत्र बन चुका है। लाखों लोगों तक पहुँच रखने वाले प्रभावशाली कंटेंट निर्माता जनमत को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। सरकार की आलोचना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है, किंतु यह भी उतना ही महत्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या आलोचना तथ्यों पर आधारित है या पहले से तय वैचारिक निष्कर्षों की पुनरावृत्ति? जब किसी भी राष्ट्रीय मुद्दे को लगातार एक ही राजनीतिक फ्रेम में प्रस्तुत किया जाता है, तब यह पूछना भी लोकतांत्रिक दायित्व है कि उसका उद्देश्य जनजागरण है या जनमत का वैचारिक ध्रुवीकरण।

इस पूरे घटनाक्रम में सरकार से भी कम प्रश्न नहीं हैं...

क्या सरकार का नीति-विश्लेषण और खुफिया तंत्र समय रहते उन प्रवृत्तियों को पहचान पा रहा है, जो छोटे-छोटे विवादों को राष्ट्रीय अस्थिरता के प्रतीक में बदल देती हैं? क्या सरकार संकट आने के बाद प्रतिक्रिया देती है, या संकट बनने से पहले उसके संकेत भी पढ़ती है? और यदि संकेत पढ़ती है, तो फिर बार-बार वही परिस्थितियाँ क्यों बन जाती हैं जिनका राजनीतिक लाभ अंततः उसके विरोधियों को मिलता है? इन प्रश्नों के उत्तर किसी दल विशेष के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक हैं। लोकतंत्र में असहमति का सम्मान होना चाहिए, लेकिन असहमति और अराजकता के बीच की रेखा कभी धुंधली नहीं होनी चाहिए।

आंदोलनों का उद्देश्य समाधान हो, केवल संघर्ष नहीं

अंततः प्रश्न किसी एक परीक्षा, एक मंत्री या एक आंदोलन का नहीं है। प्रश्न उस वैचारिक वातावरण का है जिसमें हर घटना को राजनीतिक युद्ध का नया मोर्चा बना दिया जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति नागरिकों का विश्वास है। और विश्वास तभी बनता है जब सरकार जवाबदेह हो, संस्थाएँ निष्पक्ष हों, मीडिया जिम्मेदार हो और आंदोलनों का उद्देश्य समाधान हो, सिर्फ संघर्ष नहीं। जब पूर्वाग्रह संवाद पर हावी हो जाए, दुराग्रह तथ्य पर भारी पड़ जाए और राजनीतिक उद्देश्य राष्ट्रीय हित से ऊपर रख दिए जाएँ, तब लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट सत्ता या विपक्ष नहीं, बल्कि सत्य का क्षरण बन जाता है। और सत्य का क्षरण किसी भी लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक शुरुआत होती है।

न्यूज विंडो

झंडू कुमार ने कॉमनवेल्थ गेम्स में दिलाया पहला मेडल, जीता ब्रॉन्ज

नई दिल्ली। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में अपना खाता खोल लिया है। पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने ग्लासगो में पुरुषों की हेवीवेट कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस के अपने आखिरी प्रयास में 212 किलो का वजन उठाने में नाकाम रहने के बाद झंडू कुमार का मेडल पक्का हो गया, जो भारत का पहला मेडल है। बिहार के 29 साल के झंडू कुमार पहले ई-रिक्शा चलाते थे और उनके पिता सड़क किनारे सब्जी बेचते हैं। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बधाई दी है।

-देखें पेज-8

अमेठी में बेपटरी हुए मालगाड़ी के 7 डिब्बे, ट्रैक क्षतिग्रस्त

कमरौली (अमेठी)। सिंदुरवा रेलवे स्टेशन से मालगाड़ी इंडोरामा इकाई को जा रही थी तभी स्टेशन के आगे आज सुबह करीब 5 बजकर 10 मिनट पर मालगाड़ी के सात डिब्बे पटरी से नीचे उतर गए। जिसके कारण पटरी कई जगह क्षतिग्रस्त हो गई। आरपीएफ और रेलवे की टीम ने स्टेशन के आगे जहां पर मालगाड़ी उतरी है वहां का निरीक्षण किया। सिंदुरवा स्टेशन से इंडोरामा खाद ईकाई के लिए अलग से रेलवे लाइन है।

आज का कार्टून

मोहन भागवत बोले-नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्क और स्पष्टीकरण देने होंगे

अमेठी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने दिल्ली में 'विश्व मंगलम् सभा' को संबोधित किया। उन्होंने परिवार, संस्कार और आज की नई पीढ़ी से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से बात की।

भागवत ने कहा कि बदलते समय के साथ बच्चों की अपेक्षाएं भी बदल गई हैं। अब बच्चे केवल आज्ञा का पालन नहीं करते, बल्कि हर बात पर तर्क और स्पष्टीकरण चाहते हैं। इसलिए अभिभावकों को बच्चों को प्यार, समय और निरंतर संवाद देना चाहिए। पहले माता-पिता पर पूरा भरोसा और श्रद्धा होती थी। आज की पीढ़ी

अधिक जिज्ञासु है और हर चीज के पीछे का तर्क समझना चाहती है। उन्होंने कहा कि परिवारों के भीतर बातचीत बंद हो गई है, जिसे फिर से शुरू करना आवश्यक है। RSS प्रमुख ने भारतीयों से बिना सोचे-समझे पश्चिमी जीवनशैली अपनाने के बजाय अपनी संस्कृति अपनाने का आग्रह किया।

डीपफेक मामले में गोयल ने दर्ज कराई प्राथमिकी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो को लेकर कहा कि एआई की मदद से दुर्भावनापूर्ण छेड़छाड़ कर एक डीपफेक वीडियो तैयार किया है। जिसकी उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है।

खाड़ी में महायुद्ध का खतरा

बहरीन और कुवैत ने पहली बार ईरान में घुसकर की भारी बमबारी

तेहरान, एजेंसी। ईरानी हमलों का पलटवार करते हुए बहरीन और कुवैत ने भी ईरान के अंदर घुसकर हमले किए हैं। ये पहली बार है जब बहरीन और कुवैत इस लड़ाई में सीधे तौर पर शामिल हुआ है। हालांकि दोनों ही देशों ने आधिकारिक तौर पर इस हमले की बात नहीं कही है। लेकिन यह इस बात का संकेत है कि जैसे-जैसे युद्ध खिंचता जा रहा है अरब देश मुश्किल स्थिति में फंसते जा रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक बहरीन और कुवैत लगातार ये हमले कर रहा हैं जिससे ईरान के एक महत्वपूर्ण ड्रोन और मिसाइल रखने वाले डिपो को ध्वस्त कर दिया है। संयुक्त अरब अमीरात जिसने युद्ध की शुरुआत में कई बार ईरान पर हमले किए थे उसने ईरान का सामना करने में अरब देशों के बीच बढ़ते सहयोग को दिखाते हुए हमलों के लिए लक्ष्यों की जानकारी और सुरक्षा के लिए हवाई कवर मुहैया कराया है।

ट्रम्प बोले- चीन-रूस जंग में आए तो अंजाम बुरा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि चीन या रूस ईरान युद्ध में शामिल हैं। हालांकि उन्होंने धमकी दी कि अगर दोनों देशों ने इस युद्ध में दखल दिया तो इसके गंभीर नतीजे होंगे और यह उनके लिए अच्छा नहीं होगा।

गुजरात-असम में बारिश से भारी नुकसान, अमरनाथ यात्रा फिर शुरू

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर। गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 40,500 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। बारिश से जुड़े हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई है। अहमदाबाद में आज सभी स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रहेंगे।

असम में बाढ़ से पिछले 24 घंटे में 14 लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 61 हो गई है। राज्य के 12 जिलों में

बाढ़ से 7.05 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। इधर अमरनाथ यात्रा खराब मौसम के कारण 6 दिनों तक स्थगित रहने के बाद आज फिर से शुरू हो गई।मध्य प्रदेश में मानसूनी बारिश का स्ट्रॉग सिस्टम एक्टिव है, जिसके चलते आज प्रदेश के 35 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तर प्रदेश में पिछले 15 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इसे देखते हुए शनिवार को राज्य के 30 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इधर, राजस्थान में भी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने आज राज्य के विभिन्न हिस्सों के लिए ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है।

मेट्रो एंकर | पहली बार समुद्र में सुरक्षित लैंडिंग, अंतरिक्ष में 20 सैटेलाइट भी तैनात

सबसे ताकतवर रॉकेट का सफल परीक्षण, अंतरिक्ष तकनीक में नया इतिहास

वॉशिंगटन, एजेंसी

एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली रॉकेट के एक और महत्वपूर्ण परीक्षण में बड़ी सफलता हासिल की है। इस मिशन के दौरान रॉकेट ने न केवल सफलतापूर्वक उड़ान भरी, बल्कि पहली बार अपने निर्धारित समुद्री क्षेत्र में सुरक्षित लैंडिंग भी की। इसके साथ ही मिशन के तहत 20 सैटेलाइटों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित किया गया। इस उपलब्धि को रीयूजेबल अंतरिक्ष तकनीक की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

परीक्षण के दौरान रॉकेट ने निर्धारित समय पर प्रक्षेपण स्थल से उड़ान भरी और सभी चरण योजनानुसार पूरे किए। उड़ान के बाद पहला चरण नियंत्रित तरीके से पृथ्वी की ओर लौटा और समुद्र में तैनात प्लेटफॉर्म पर सफलतापूर्वक उतर गया। इससे पहले भी स्पेसएक्स कई बार समुद्री प्लेटफॉर्म पर

रॉकेट उतार चुका है, लेकिन इस मिशन में नई तकनीकों और अधिक क्षमता वाले संस्करण का सफल प्रदर्शन विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। मिशन का दूसरा प्रमुख उद्देश्य 20 सैटेलाइटों को पृथ्वी की निचली कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) में स्थापित करना था। सभी सैटेलाइट निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक पहुंच गए। इनका उपयोग उच्च गति इंटरनेट सेवाओं, संचार नेटवर्क और विभिन्न वैज्ञानिक एवं तकनीकी उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह के सफल परीक्षण भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों की लागत कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। रॉकेट के बार-बार उपयोग की क्षमता से न केवल प्रक्षेपण खर्च घटेगा, बल्कि बड़े पैमाने पर उपग्रह प्रक्षेपण और चंद्रमा तथा मंगल जैसे दूरस्थ मिशनों को भी गति मिलेगी।

स्पेसएक्स पिछले कुछ वर्षों से लगातार रियूजेबल रॉकेट तकनीक पर काम कर रहा है। कंपनी का लक्ष्य ऐसे रॉकेट विकसित करना है जो उड़ान के बाद सुरक्षित लौट सकें और कम समय में दोबारा मिशन के लिए तैयार किए जा सकें। इस दिशा में मिली यह सफलता भविष्य की मानव अंतरिक्ष यात्राओं के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

तकनीकी क्षमता और नवाचार

मस्क पहले ही मंगल ग्रह पर मानव बस्ती बसाने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना का उल्लेख कर चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे सफल परीक्षण उसी दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में मजबूत कदम हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की बढ़ती भूमिका के बीच यह मिशन तकनीकी क्षमता और नवाचार का महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की तकनीक भविष्य में चंद्रमा और मंगल पर मानव मिशनों के लिए भी मजबूत आधार तैयार करेगी तथा निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में नई प्रतिस्पर्धा और नवाचार को बढ़ावा देगी। यदि रॉकेट के प्रमुख हिस्सों का बार-बार उपयोग संभव होता है, तो अंतरिक्ष मिशनों की लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी और प्रक्षेपण की गति भी बढ़ेगी।

अमृत 2.0 की खुदाई में फंसी करोंद की 80 फीट रोड, बारिश ने बढ़ाई मुसीबत

गड्ढे, कीचड़ और जलभराव से रोजाना हजारों लोग परेशान; धीमे निर्माण कार्य से हादसों का खतरा, जल्द सड़क सुधारने की मांग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के करोंद क्षेत्र की 80 फीट रोड इन दिनों अमृत 2.0 परियोजना की धीमी रफ्तार का खामियाजा भुगत रही है। लंबे समय से चल रहे निर्माण कार्य के चलते सड़क की हालत बदहाल हो गई है। बारिश ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे, कीचड़ और जलभराव के कारण वाहन चालकों, दोपहिया सवारों और पैदल राहगीरों को रोजाना मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बारिश शुरू होने से पहले ही सड़क की स्थिति खराब थी, लेकिन अमृत 2.0 के तहत सड़क की खुदाई के बाद हालात और बिगड़ गए। निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं होने से लोगों को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। हल्की बारिश में ही सड़क पर पानी और कीचड़ जमा हो जाता है, जिससे दोपहिया वाहन फिसलने और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

करोंद और आसपास की कॉलोनियों को बाजार, स्कूल, कॉलेज और अन्य क्षेत्रों से जोड़ने वाली इस सड़क से प्रतिदिन हजारों लोग गुजरते हैं। नागरिकों का आरोप है कि कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन से निर्माण कार्य में तेजी लाने और सड़क सुधारने की मांग की गई, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम और चेतावनी संकेतक नहीं होने से रात में भी हादसे की आशंका बनी रहती है। नागरिकों ने प्रशासन से अमृत 2.0 का काम जल्द पूरा कराने, सड़क की तत्काल मरम्मत कराने और जलभराव की समस्या दूर करने की मांग की है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने पांच हजार शिक्षकों को दी राहत

90% ई-अटेंडेंस नहीं है तो भी अतिथि शिक्षक इस बार कर सकेंगे री-जॉइनिंग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के करीब पांच हजार अतिथि शिक्षकों को स्कूल शिक्षा विभाग ने बड़ी राहत दी है। 90 प्रतिशत से कम ई-अटेंडेंस के कारण चालू शिक्षा सत्र में री-जॉइनिंग से वंचित अतिथि शिक्षक अब विद्यालयों में दोबारा जॉइन कर सकेंगे। लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी कर री-जॉइनिंग के लिए 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता में इस सत्र के लिए शिथिलता दी है।

आयुक्त ने संयुक्त संचालकों, जिला शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों और संकुल प्राचार्यों को निर्देश जारी किए हैं। आदेश के मुताबिक, री-जॉइनिंग के बाद अतिथि शिक्षकों को लिखित वचन-पत्र देना होगा कि वे भविष्य में इस मामले में किसी तरह की राहत की मांग नहीं करेंगे और नियमित रूप से ई-अटेंडेंस दर्ज करेंगे। दरअसल, 30 जून को जारी आदेश में री-जॉइनिंग के लिए 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस अनिवार्य की गई थी। इसके चलते करीब पांच हजार शिक्षक प्रभावित हो रहे थे। अतिथि शिक्षक संगठन ने 14 जुलाई को आयुक्त से मुलाकात कर बीमारी, मातृत्व अवकाश, पारिवारिक आकस्मिकता, नेटवर्क और तकनीकी समस्या, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा विवाह जैसे कारणों से कम उपस्थिति वाले शिक्षकों को मानवीय आधार पर राहत देने की मांग की थी। इसके बाद विभाग ने यह निर्णय लिया।

अगले सत्र से ई-अटेंडेंस ही बनेगा आधार

लोक शिक्षण आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि यह राहत केवल चालू शिक्षा सत्र के लिए दी गई है। री-जॉइनिंग के बाद अतिथि शिक्षकों को लिखित वचन-पत्र देना होगा कि वे भविष्य में ई-अटेंडेंस के संबंध में किसी प्रकार की राहत की मांग नहीं करेंगे। साथ ही उन्हें नियमित रूप से ई-अटेंडेंस दर्ज करनी होगी। विभाग ने साफ किया है कि आगामी शिक्षा सत्रों में अतिथि शिक्षकों की री-जॉइनिंग की प्रक्रिया ई-अटेंडेंस के आधार पर ही पूरी की जाएगी और किसी प्रकार की शिथिलता नहीं दी जाएगी। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश सचिव रविकांत गुप्ता और उमाशंकर बैस ने बताया कि जुलाई के अंतिम सप्ताह में भोपाल में प्रदेश स्तरीय बैठक होगी। इसमें पद स्थायित्व, अवकाश की पात्रता और अन्य मांगों पर चर्चा कर संगठन की आगामी रणनीति तय की जाएगी।

1.10 लाख अतिथि शिक्षक 5 हजार को मिली राहत

प्रदेश में स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के अधीन करीब एक लाख 10 हजार अतिथि शिक्षक सेवाएं दे रहे हैं। इनमें से लगभग पांच हजार शिक्षक 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता के कारण इस शिक्षा सत्र में री-जॉइनिंग नहीं कर पा रहे थे। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार के अनुसार, अचानक लागू हुई ई-अटेंडेंस की शर्त से कई शिक्षक प्रभावित हुए थे। संगठन ने 14 जुलाई को लोक शिक्षण संचालनालय में हुई बैठक के दौरान आयुक्त अभिषेक सिंह के सामने यह मामला उठाया। संगठन ने बताया कि कई शिक्षकों की कम उपस्थिति के पीछे वास्तविक और मानवीय कारण रहे हैं। ऐसे शिक्षकों को राहत देने की मांग की गई थी। विभाग के नए आदेश के बाद अब इन शिक्षकों का दोबारा जॉइनिंग का रास्ता साफ हो गया है।

बीमारी से लेकर नेटवर्क समस्या तक, ये रहे कारण

अतिथि शिक्षक संगठन ने विभाग के सामने कम ई-अटेंडेंस के कई कारण गिनाए थे। इनमें गंभीर बीमारी, मातृत्व अवकाश, परिवार में आकस्मिक मृत्यु, नेटवर्क की अनुपलब्धता और तकनीकी समस्याएं प्रमुख थीं। इसके अलावा कुछ शिक्षक प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने या अपने विवाह के कारण भी निर्धारित अवधि में नियमित ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं करा सके। संगठन का कहना था कि ऐसे मामलों में शिक्षकों की अनुपस्थिति जानबूझकर नहीं थी, बल्कि परिस्थितियों के कारण उनकी उपस्थिति 90 प्रतिशत से कम रह गई। इसी आधार पर मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए चालू शिक्षा सत्र में री-जॉइनिंग की अनुमति देने की मांग की गई थी।

16 चांदी के मुकुट समेत चार लाख का माल बरामद

भगवान से माफी मांगकर करता था चोरी 31 हजार का 'दीना महाराज' गैंग गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

चोरी से पहले भगवान की मूर्ति के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगना और फिर मंदिर से चांदी के मुकुट व अन्य धार्मिक सामग्री चुराना... यह अनोखी कार्यशैली थी 31 हजार रुपए के इनामी दीनदयाल उर्फ 'दीना महाराज' की। भोपाल देहात पुलिस ने भोपाल, रायसेन और विदिशा के मंदिरों को निशाना बनाने वाले छह सदस्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 16 चांदी के मुकुट सहित करीब चार लाख रुपए की धार्मिक सामग्री बरामद की है।

पुलिस ने बताया कि बैरसिया, सूखी सेवनिया और ईंटखेड़ी थाना क्षेत्रों में लगातार मंदिर चोरी की घटनाओं के बाद एसआईटी गठित की गई थी। तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर सूखी सेवनिया बायपास से आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में गिरोह ने 11 मंदिरों में चोरी और एक चोरी के प्रयास सहित 12 वारदातें कबूल की हैं। गिरोह गांव और सुनसान इलाकों के मंदिरों की रैकी करता था। वारदात से पांच-छह घंटे पहले मोबाइल बंद कर देता था।

मंदिर का ताला या ग्रिल तोड़कर चोरी के बाद आरोपी दूसरे जिलों में चले जाते थे। पुलिस ने चोरी का सामान खरीदने के आरोप में नर्मदापुरम निवासी आनंद उर्फ इंद्र नारायण राजपूत को भी गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी पर हत्या, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट समेत 30 से अधिक मामले दर्ज हैं। भोपाल देहात पुलिस ने गिरोह की निशानदेही पर 16 चांदी के मुकुट, चांदी की थाली, छत्र, चांदी जड़ित नारियल, ओम चिन्ह और पीतल का घंटा बरामद किया है। बरामद चांदी का वजन करीब डेढ़ किलोग्राम और अनुमानित कीमत लगभग चार लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मुख्य आरोपी दीनदयाल के अलावा रायसेन निवासी दिनेश कुशवाहा, अकरम अली, पप्पू आदिवासी और आशाराम को गिरफ्तार किया है।

दिन में मजदूरी, रात में मंदिरों को बनाते थे निशाना

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि गिरोह के सदस्य दिन में मजदूरी करते थे और रात के समय मंदिरों में चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। मुख्य आरोपी दीनदयाल उर्फ 'दीना महाराज' हर तीन-चार महीने में अपना ठिकाना बदल लेता था, ताकि पुलिस की पकड़ से बच सके। वह रायसेन और आसपास के गांवों में रहने वाले मजदूरों को अपने साथ जोड़कर सुनसान और गांवों के मंदिरों की रैकी करता था। वारदात से कुछ घंटे पहले सभी आरोपी मोबाइल फोन बंद कर देते थे, जिससे उनकी लोकेशन ट्रेस न हो सके। मंदिर बंद होने के बाद ताला या ग्रिल तोड़कर अंदर प्रवेश करते और चांदी के मुकुट, छत्र, दानपेटी की नकदी सहित अन्य सामग्री चोरी कर लेते थे। वारदात के बाद आरोपी दूसरे जिलों में जाकर छिप जाते थे।

80 प्रतिभागियों को पछाड़ भोपाल की आकांक्षा बनीं 'मिसेज छत्तीसगढ़'

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी निवासी आकांक्षा शर्मा ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आयोजित प्रतिष्ठित सौंदर्य व प्रतिभा प्रतियोगिता में ''मिसेज छत्तीसगढ़'' का खिताब अपने नाम कर शहर का गौरव बढ़ाया है। एवरग्रीन लेडी पत्रिका द्वारा आयोजित ''मिस, मिसेज व किड्स टैलेंट प्रतियोगिता'' में देशभर से करीब 80 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। आकांक्षा ने मिसेज वर्ग में अपने व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और शानदार मंचीय प्रस्तुति से निर्णायकों को प्रभावित कर यह उपलब्धि हासिल की। आकांक्षा शर्मा वर्तमान में भोपाल के एक निजी विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि नौकरी के साथ-साथ वह एक मां की जिम्मेदारियां भी निभा

रही हैं। जीवन में कई चुनौतियां आने के बावजूद उन्होंने अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ा। परिवार, करियर और मातृत्व के बीच संतुलन बनाते हुए उन्होंने लगातार खुद को बेहतर बनाया और मेहनत व समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने कहा कि मजबूत इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच के साथ हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। इससे पहले भी आकांक्षा 'मिसेज इंटेलिजेंट सेंट्रल इंडिया' का खिताब जीत चुकी हैं।

सहायक शिक्षक ने आईडी बनाने के बहाने बुलाकर अतिथि शिक्षक से किया दुष्कर्म

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के बिलखिरिया थाना क्षेत्र में एक अतिथि शिक्षिका ने उसी स्कूल में पदस्थ सहायक शिक्षक पर दुष्कर्म और लगातार शारीरिक शोषण का गंभीर आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि सहायक शिक्षक ने शासकीय आईडी और पासवर्ड बनवाने की प्रक्रिया पूरी कराने के बहाने उसे अपने फ्लैट पर बुलाया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने बदनाम करने की धमकी देकर करीब छह महीने तक उसका शोषण किया। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता अतिथि शिक्षिका के रूप में कार्यरत है। आरोपी सहायक शिक्षक उसी विद्यालय में पदस्थ है और कर्मचारियों की शासकीय आईडी

व पासवर्ड बनाने का काम भी देखता था। महिला अपनी आईडी बनवाने के लिए कई बार उससे संपर्क कर चुकी थी, लेकिन वह लगातार प्रक्रिया को टालता रहा। करीब छह महीने पहले उसने जरूरी काम पूरा करने के बहाने महिला को अपने घर बुलाया, जहां घटना होने का आरोप है। पीड़िता का कहना है कि पहली घटना के बाद आरोपी ने उसे बदनाम करने की धमकी दी और इसी डर का फायदा उठाकर लगातार उसका शोषण करता रहा। मानसिक दबाव के कारण वह तत्काल शिकायत नहीं कर सकी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पत्नी को उसके संबंधों की जानकारी मिलने के बाद वह मायके चली गई। इसके बाद महिला ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी सहायक शिक्षक की पत्नी को उसके कथित संबंधों की जानकारी हो गई थी। इसके बाद वह घर छोड़कर अपने मायके चली गई। इसी घटनाक्रम के बाद पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर बिलखिरिया थाने पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना बताई। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने शासकीय आईडी और पासवर्ड बनवाने के बहाने उसे अपने घर बुलाया था। इसके बाद बदनाम करने की धमकी देकर वह लगातार दबाव बनाता रहा।

ऊपरी मंजिल से कचरा फेंका तो लगेगा जुर्माना : एनजीटी

भोपाल. दोपहर मेट्रो। बहुमंजिला इमारतों की ऊपरी मंजिलों से नीचे कचरा फेंकने वाले रहवासियों पर अब नगर निगम जुर्माना लगा सकेगा। आवासीय कॉलोनियों में कचरा प्रबंधन, जलभराव और सीवेज की समस्या को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की भोपाल स्थित सेंट्रल जोन बेंच ने नगर निगम और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। एनजीटी ने कहा कि बहुमंजिला भवनों के परिसर में कचरा संग्रहण के लिए निर्धारित स्थान बनाए जाएं, ताकि निगम का अमला आसानी से कचरा एकत्र कर सके। श्याम नगर, अर्जुन नगर, बाजपेयी नगर, मद्रासी कॉलोनी और पंचशील नगर में कचरा, जलभराव और सीवेज की समस्या को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिए गए। याचिका में आरोप था कि इन क्षेत्रों में जगह-जगह कचरा फैला रहता है और सीवेज सड़कों, नालियों व नालों में बहने से भूजल प्रदूषण का खतरा है। नगर निगम ने बताया कि इन कॉलोनियों का सीवेज पंपिंग के जरिए एसटीपी भेजा जा रहा है, जबकि कुछ क्षेत्रों में एसटीपी से जुड़ा काम अभी अधूरा है। एनजीटी ने आरडब्ल्यूए को रहवासियों को जागरूक करने के लिए समिति बनाने और निगम व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को तीन सप्ताह में कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

मेट्रो एंकर | इस साल शहर में लगेंगे 1.50 लाख पौधे, 85 हजार पौधों की तीन साल तक होगी निगरानी

17,989 पेड़ों की कटाई के बाद आज रोपे जाएंगे 25 हजार पौधे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में पिछले पांच वर्षों के दौरान काटे गए 17,989 पेड़ों की भरपाई के लिए नगर निगम बड़े स्तर पर पौधरोपण अभियान शुरू करने जा रहा है। निगम ने इस वर्ष 1.50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। इसकी शुरुआत 25 जुलाई को 'अमृत हरित अभियान' के तहत एक दिन में 25 हजार पौधे लगाकर होगी। अभियान प्रतिपूरक वनीकरण निधि से संचालित किया जा रहा है।

इस बार निगम ने पौधरोपण की रणनीति में बदलाव करते हुए विदेशी और तेजी से बढ़ने वाली प्रजातियों के बजाय नीम, पीपल, बरगद, अर्जुन, आंवला, हर्रा, बहेड़ा, महुआ, बेल, कचनार और शमी जैसे देशी, छायादार, फलदार और

फाइल फोटो।

औषधीय पौधों को प्राथमिकता दी है। पौधे डेयरी फार्म की नौ एकड़ भूमि, आदमपुर खंती, बीएचईएल क्षेत्र और प्रमुख सड़कों सहित विभिन्न स्थानों पर लगाए जाएंगे। कुल 1.50 लाख पौधों में से 85 हजार का रोपण और तीन साल तक रखरखाव निजी एजेंसी करेगी। इस पर 6.80 करोड़ रुपये खर्च होंगे। शेष 65 हजार पौधे निगम अपने संसाधनों से लगाएगा।

एजेंसी सिंचाई, सुरक्षा और देखरेख की जिम्मेदारी निभाएगी। तीन साल बाद जीवित पौधों का सत्यापन किया जाएगा। निगम के अनुसार 2021 से 2025 के बीच 2,65,625 पौधे लगाए गए, जिनमें 66.36 प्रतिशत जीवित हैं। वर्ष 2025 में जीवित रहने की दर 74.5 प्रतिशत रही। निगम को उम्मीद है कि नई व्यवस्था से यह दर और बेहतर होगी।

25 हजार पौधों से आज शुरू होगा अभियान

'अमृत हरित अभियान' के तहत 25 जुलाई को नगर निगम द्वारा वृहद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। एक दिन में 25 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। पौधों का रोपण सड़कों के किनारे और अन्य उपयुक्त स्थलों के अलावा फिल्टर प्लांट, ओवरहेड टैंक, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, झीलों और अन्य जल संरचनाओं के आसपास किया जाएगा। इसके साथ ही निगम के जोन और वार्ड कार्यालयों, अन्य सरकारी कार्यालयों, पुस्तकालय-वाचनालय परिसरों तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवासीय परिसरों में भी पौधे लगाए जाएंगे। प्रत्येक जोन और विभिन्न परिसरों के लिए अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। निगम अधिकारियों को पौधरोपण और पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लगाए गए पौधों की संख्या और जियो टैग फोटो 'मेरी लाइफ' एप पर अपलोड किए जाएंगे।

2025 में कटे 9,857 पेड़, अब जीवित रखने पर जोर

नगर निगम के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2021 से 2025 के बीच भोपाल में 17,989 पेड़ों की कटाई हुई। इनमें अकेले 2025 में 9,857 पेड़ काटे गए। इसके मुकाबले इसी अवधि में 2,65,625 पौधे लगाए गए, जिनमें 1,76,270 यानी 66.36 प्रतिशत पौधे जीवित पाए गए। निगम के अनुसार पौधों की जीवित रहने की दर में लगातार सुधार हुआ है। वर्ष 2021 में यह दर 45.6 प्रतिशत थी, जो 2025 में बढ़कर 74.5 प्रतिशत हो गई। इस बार पौधरोपण के साथ पौधों को बचाने और उनकी नियमित देखरेख पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निजी एजेंसी को 85 हजार पौधों की जिम्मेदारी दी गई है, जो तीन वर्ष तक उनकी सिंचाई, सुरक्षा और देखभाल करेगी।

आज से भोपाल में हर 15 मिनट में मिलेगी मेट्रो

भोपाल। राजधानी में आज से सुभाष नगर से एम्स तक के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर एक नहीं, बल्कि अब चार मेट्रो ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। कमिशनर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) से दोनों ट्रैक पर सिग्नलिंग सिस्टम की ओके रिपोर्ट मिलने के बाद मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने नया शेड्यूल जारी किया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब यात्रियों को 75 मिनट का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पीक आवर्स में यात्रियों को हर 15 मिनट के अंतराल पर मेट्रो सेवा उपलब्ध होगी। वहीं आम समय में मेट्रो हर 30 मिनट में स्टेशन पहुंचेगी। चारों ट्रेनें मिलकर दिनभर में दोनों दिशाओं 25-25 फेरे लगाएंगी यानी करीब 50 फेरे।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव में सीएम ने लिया संतों का आशीर्वाद

संतों की वाणी और संस्कारों से बनता है बेहतर जीवन, हर धर्म के लिएअब एक कानून

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संतों की वाणी और उनका सानिध्य मनुष्य को बेहतर जीवन की राह दिखाता है। जीवन में संस्कारों का होना बेहद जरूरी है। देश के तीज-त्योहार भी अपने भीतर मानव कल्याण का सार्थक संदेश समेटे हुए हैं। मुख्यमंत्री पन्ना प्रवास के दौरान श्री जुगल किशोर मंदिर में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने श्रीधाम वृंदावन से आए संत श्री श्री 108 महंत स्वामी किशोरदास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पन्ना की पावन धरा वृंदावन के लघु स्वरूप के समान है। इसी तरह बुंदेलखंड में ओरछा को अयोध्या के रूप में मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने लोगों से गौमाता की सेवा करने और सभी धर्मों के पर्वों को उत्साह एवं सद्भाव के साथ मनाने का आह्वान किया।

सर्वधर्म समभाव पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब सभी धर्मों के लिए एक कानून होगा। उन्होंने कहा कि सर्वधर्म समभाव की भावना के साथ मध्यप्रदेश विकास और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने धर्मार्थ से परमार्थ की राह पर आगे बढ़ने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि समाज में सेवा और सद्भाव की भावना को मजबूत करना समय की जरूरत है।

नगरीय निकायों में बनेंगे गीता भवन और पुस्तकालय

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में गीता भवन और पुस्तकालय स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सीएम राइज स्कूल अब सांदीपनि विद्यालय के नाम से संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही सरकार वृंदावन ग्राम की अवधारणा पर भी तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने विक्रम संवत् के आयोजनों को बढ़ावा देने तथा भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े धार्मिक स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करने की बात कही।

एमपी के एथेनॉल प्लांट का चावल महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में बिका

पूर्व मंत्री कांवरे की मिल घोटाले का सेंटर पांइट 14 राइस मिलर्स के खिलाफ मिले अहम सबूत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में एथेनॉल के नाम पर गरीबों और कुपोषितों के 1160 करोड़ रुपए के फोर्टिफाइड चावल घोटाले के तार महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से भी जुड़ गए हैं। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि छिंदवाड़ा के एवीजे एथेनॉल प्लांट के लिए आवंटित चावल महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिलों की राइस मिलों तक भी पहुंचा है।

घोटाले में पूर्व मंत्री और बालाघाट भाजपा के जिलाध्यक्ष रामकिशोर कांवरे के परिवार की राइस मिल हर्ष इंडस्ट्रीज का नाम भी जुड़ गया है। मिल के पार्टनर विनोद शर्मा को पुलिस ने 24 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया है। कावरे के भाई कुमार और भतीजे अविनाश से भी कई दौर की पूछताछ की गई है। डीवीआर और अन्य दस्तावेज भी जब्त कर लिए गए हैं। मीडिया ने जब पूर्व मंत्री कांवरे से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क किया तो उन्होंने सवाल सुनने के बाद फोन काट दिया। वॉट्सएप पर भेजे गए मैसेज का भी उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। सूत्रों का कहना है कि चावल घोटाले में संलिप्तता उजागर होने के बाद कांवरे ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मदद मांगी थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने हस्तक्षेप से इनकार कर दिया।

सरकार ने गरीबों और कुपोषित बच्चों के हिस्से के चावल के घोटाले की जांच में पुलिस को फ्री हैंड दिया है। यही वजह है कि पुलिस ने कांवरे के परिजन के स्वामित्व वाली हर्ष इंडस्ट्रीज के पार्टनर विनोद शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। कांवरे के परिजन से भी लंबी पूछताछ का दौर जारी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बालाघाट से करीब 10 किलोमीटर दूर टेकाड़ी गांव स्थित हर्ष इंडस्ट्रीज में एथेनॉल प्लांट का चावल मिलने के डिजिटल सबूत मिले हैं। इस घोटाले में गिरफ्तार एक अन्य राइस मिलर सुरेंद्र राणा को पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन का रिश्तेदार बताया जा रहा है।

50 दिन की जांच, 18 रसूखदार आरोपी, 12 गिरफ्तार

घोटाले की गहराई का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पुलिस की 20 सदस्यीय स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम 50 दिन बाद भी जांच पूरी नहीं कर पाई है। अब तक 18 रसूखदार आरोपियों को पुलिस ने नामजद किया है। इनमें से 12 गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस के अलावा फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) के दिल्ली मुख्यालय के अधिकारी भी इस घोटाले की जांच कर रहे हैं।

इसके अलावा एफसीआई का रीजनल ऑफिस भी समानांतर जांच कर रहा है। जांच का फोकस इस बात पर है कि एथेनॉल प्लांट के लिए 50 लाख मीट्रिक टन चावल का आवंटन करने में नीति को कहां-कहां और किस-किस ने दरकिनार किया। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि जिन 21 एथेनॉल प्लांटों ने चावल खरीदा, उन्होंने वे बैग कब और किसे बेचे।

खाद्य मंत्री बोले- एफसीआई केंद्र की एजेंसी, हमारा रोल नहीं

7राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत से जब मीडिया ने सवाल किया तो उन्होंने कहा कि इसमें राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है। एफसीआई और एथेनॉल प्लांट दोनों ही केंद्र सरकार से जुड़े विषय हैं।

हर्ष इंडस्ट्रीज में पहुंचा था एथेनॉल प्लांट का चावल

जांच में पता चला है कि छिंदवाड़ा के एवीजे एथेनॉल प्लांट के लिए वेयरहाउस से रवाना हुआ चावल का ट्रक हर्ष इंडस्ट्रीज पहुंचा था। पुलिस को इसके सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। डीवीआर जब्त कर ली गई है। रजिस्टर में भी इसकी एंट्री मिली है। इसी आधार पर पुलिस ने कड़ियां जोड़ते हुए हर्ष इंडस्ट्रीज के संचालकों पर शिकंजा कसा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि हर्ष इंडस्ट्रीज ही चावल घोटाले का सेंटर पॉइंट रही है।

कैसे लगी घोटाले की भनक?

मामले का खुलासा 2 जून को नवेगांव वेयरहाउस (बालाघाट) से एवीजे एथेनॉल प्लांट (छिंदवाड़ा के बोरगांव) भेजे गए तीन ट्रक चावल की जांच के दौरान हुआ। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार इनका उपयोग एथेनॉल उत्पादन के लिए होना था। हालांकि, 3 जून को इनमें से एक ट्रक बालाघाट की संचेती राइस मिल में मिला, जबकि बाकी दो ट्रक भी छिंदवाड़ा के एथेनॉल प्लांट तक नहीं पहुंचे। घटना सामने आने के बाद पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने जांच शुरू की।

सीएस की अध्यक्षता में बनी स्टेट लेवल कमेटी

ओरछा की विरासत को विश्व धरोहर बनाने की तैयारी तेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य सरकार ने ऐतिहासिक नगरी ओरछा की विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य शासन ने ओरछा हेरिटेज विजन के अनुरूप परियोजनाओं की कॉनफॉर्मिटी सुनिश्चित करने और हेरिटेज इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्लान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्टेट लेवल कमेटी का गठन किया है। यह समिति ओरछा में चल रही और प्रस्तावित सभी प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा करेगी तथा यह सुनिश्चित करेगी कि विकास कार्य ऐतिहासिक विरासत और संरक्षण के तय मानकों के अनुरूप ही हों।

उल्लेखनीय है कि ओरछा को वर्ष 2027-28 के वर्ल्ड हेरिटेज साइकिल के तहत यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए नोमिनेशन डोजियर तैयार किया जा रहा है। आईकॉमोस की फरवरी 2027 में हुई प्रीलिमिनरी असेसमेंट प्रक्रिया के दौरान संबंधित धरोहर संपदा के प्रबंधन ढांचे को और मजबूत करने की जरूरत बताई गई थी। इसके लिए इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्लान और संबंधित क्षेत्रीय योजनाओं के निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया था।

हर परियोजना की होगी बारीकी से पड़ताल

कमेटी का मुख्य काम ओरछा में संबंधित विभागों की प्रचलित और प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा करना होगा। इसके साथ ही हेरिटेज इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्लान के क्रियान्वयन और अनुपालन की स्थिति का नियमित आकलन कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। समिति यूनेस्को हिस्टोरिक अर्बन लैंडस्केप (एचयूएल) की अनुशंसाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा करेगी और इन्हें ओरछा मास्टर प्लान तथा भविष्य की विकास योजनाओं में शामिल कराना सुनिश्चित करेगी।

कई विभागों के अधिकारी होंगे कमेटी में शामिल

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार कमेटी में अपर मुख्य सचिव संस्कृति, नगरीय विकास एवं आवास, प्रमुख सचिव वन और लोक निर्माण विभाग, आयुक्त पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, कलेक्टर निवाड़ी तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्रीय निदेशक सदस्य होंगे। सचिव पर्यटन को समिति का सदस्य-सचिव नामित किया गया है। जरूरत के अनुसार विषय विशेषज्ञों और सलाहकारों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया जा सकेगा।

मरीजों का डाटा छिपाने पर NMC का बड़ा एक्शन

बीएमएचआरसी समेत 18 मेडिकल कॉलेजों को नोटिस रजिस्ट्रेशन पर भी संकट

डिजिटल सिस्टम में कई तरह की खामियां कमियां दूर नहीं करने पर रद्द हो सकती है मान्यता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मरीजों के इलाज की कागजी जटिलताओं को खत्म करने के लिए पांच साल पहले केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) शुरू किया। इसके जरिए सभी अस्पतालों को संबंधित डाटा ऑनलाइन करना था, ताकि मरीज के इलाज से जुड़ी सभी सूचनाएं नेटवर्क पर उपलब्ध हों।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने ऐसे 18 मेडिकल कालेजों को नोटिस जारी कर 15 दिन में सुधार करने को कहा है। ऐसा नहीं हुआ तो उनकी मान्यता पर भी असर पड़ सकता है। एनएमसी की समीक्षा में पता चला है कि भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं शोध केंद्र, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज इंदौर शामिल हैं।

इसके साथ ही शासकीय मेडिकल कॉलेज श्योपुर, शासकीय मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा, शासकीय मेडिकल कॉलेज खंडवा, मानसरोवर मेडिकल कॉलेज भोपाल, श्याम शाह मेडिकल कॉलेज रीवा, श्री अरबिंदो मेडिकल कॉलेज इंदौर, सुख सागर मेडिकल कॉलेज जबलपुर तथा वीरेंद्र कुमार सखलेचा शासकीय मेडिकल कॉलेज नीमच डाटा ही साझा नहीं कर रहे हैं।

नहीं लगाया साफ्टवेयर

यह तब है जब इन कॉलेजों ने एचएमआईएस सॉफ्टवेयर लगा रखा है। इसके बावजूद उनके यहां स्कैन एंड शेयर, हेल्थ रिकॉर्ड लिंक या अन्य जरूरी डिजिटल सेवाएं सही तरीके से काम नहीं कर रहीं।

शासकीय मेडिकल कॉलेज सिवनी, शासकीय मेडिकल कॉलेज शहडोल, एलएन मेडिकल कॉलेज भोपाल, रामकृष्ण कॉलेज अस्पताल एवं शोध केंद्र भोपाल, आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज भोपाल तथा आरडी गार्दी मेडिकल कॉलेज उज्जैन ने यह साफ्टवेयर लगाना ही जरूरी नहीं समझा।

वहीं, महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च, भोपाल तथा ग्वालियर मानसिक आरोग्यशाला ने तो हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री आईडी में ही गड़बड़ी कर दी है, जिससे डाटा सही पते पर नहीं जा रहा।

जरूरी है एबीडीएम

केंद्र सरकार ने देशभर के अस्पतालों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने के लिए एबीडीएम की शुरुआत की है। इसके तहत हर अस्पताल में हास्पिटल मैनेजमेंट इंफार्मेशन सिस्टम (एचएमआइएस) साफ्टवेयर लगाना अनिवार्य है। इसमें मरीज का 14 अंकों का डिजिटल हेल्थ आइडी आभा कार्ड बनता है।

बाघ संरक्षण की पाठशाला बना भोपाल का वन विहार

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में बाघ संरक्षण और वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए बाघ सप्ताह के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को विद्यार्थियों के लिए ओपन क्विज प्रतियोगिता और रेस्क्यू कार्यशाला आयोजित की गई। 'मध्यप्रदेश में बाघ' थीम पर आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को वन्यजीव संरक्षण से जोड़ना और उन्हें बाघों के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। वन विहार में नवीन हाई स्कूल, 25वीं बटालियन में आयोजित ओपन क्विज प्रतियोगिता में भोपाल के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती में नया पेंच, चूक हुई तो जाएगी नौकरी

796 अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की दोबारा होगी जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2025 की चयन प्रक्रिया के बीच लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से डीएलएड करने वाले 796 चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का दोबारा सत्यापन कराने का फैसला लिया है।

विभाग ने इसके लिए विशेष समिति गठित कर रविवार तक भोपाल में दस्तावेजों की जांच करने के निर्देश जारी किए हैं। डीपीआई के अनुसार यह प्रक्रिया केवल उन अभ्यर्थियों के लिए होगी, जिन्होंने वर्ष 2017 से 2019 के बीच एनआईओएस से डीएलएड किया है और 18 से 21 जुलाई के दौरान आयोजित दस्तावेज सत्यापन में शामिल हुए थे। इन सभी अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपने मूल दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

डीएलएड प्रमाण पत्र का होगा निरीक्षण

विभाग का कहना है कि एनआईओएस के माध्यम से डीएलएड करने की अनुमति केवल उन शिक्षकों को दी गई थी, जो पहले से किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कार्यरत थे। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि चयनित अभ्यर्थियों ने प्रवेश के समय निर्धारित पात्रता पूरी की थी और उनके सेवा संबंधी दस्तावेज एवं डीएलएड प्रमाण पत्र नियमों के अनुरूप हैं। सत्यापन की प्रक्रिया 24 से 26 जुलाई तक माध्यमिक शिक्षा मंडल परिसर शिवाजी नगर भोपाल में होगी। अभ्यर्थियों को सभी मूल दस्तावेजों के साथ उनकी स्वप्रमाणित प्रतियां भी लानी होंगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई अभ्यर्थी तय समय पर उपस्थित नहीं होता है या आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करता है, तो उसकी अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकती है।

सत्यापन के लिए आवश्यक दस्तावेज

- 10वीं, 12वीं और डीएलएड की अंकसूची एवं प्रमाण पत्र।
- संबंधित विद्यालय में कार्यरत होने का नियुक्ति/कार्यादेश।
- संस्था प्रमुख द्वारा जारी सेवा प्रमाण पत्र।
- निर्धारित प्रारूप में 100 रुपये के स्टाम्प पर शपथ पत्र।

मेट्रो एंकर | महिला-बाल योजनाओं को रफ्तार देने सरकार का बड़ा प्रशासनिक दांव

मैदानी अधिकारियों के पदों का होगा नए सिरे से व्यवस्थापन

विकासखंड महिला सशक्तिकरण अधिकारियों की भूमिका होगी और मजबूत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार ने महिलाओं और बच्चों के सशक्तीकरण, संरक्षण तथा कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति देने के लिए प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने विभाग के द्वितीय श्रेणी राजपत्रित अधिकारियों यानी विकासखंड महिला सशक्तिकरण अधिकारियों के पदों के पारदर्शी और व्यवस्थित व्यवस्थापन की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए हैं। सरकार का उद्देश्य मैदानी अमले की क्षमता का बेहतर उपयोग करते हुए योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाना है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग का कार्यक्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। एकीकृत बाल विकास सेवा और महिला सशक्तिकरण संचालनालय के एकीकरण के बाद भी योजनाओं के दायरे में कमी नहीं आई है। इसके विपरीत महिलाओं, बच्चों और परिवारों के हित में कई नई जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। ऐसे में मैदानी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

नए सेटअप में शामिल होंगे महत्वपूर्ण पद

प्रशासनिक पुनर्व्यवस्थापन की योजना के तहत विकासखंड महिला सशक्तिकरण अधिकारियों के पदों को विभिन्न स्तरों पर नए सिरे से व्यवस्थित किया जाएगा। इन पदों को संचालनालयों, महिला एवं बाल संरक्षण संस्थाओं, संभागीय और जिला कार्यालयों, क्षेत्रीय समन्वय कार्यालयों तथा प्रशिक्षण केंद्रों के सेटअप में शामिल किया जाएगा। इससे विभागीय योजनाओं के संचालन और निगरानी के लिए अधिकारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही विभिन्न आयोगों और निगमों में आवश्यकता के अनुसार कुछ पदों को प्रतिनियुक्ति के लिए आरक्षित रखने की व्यवस्था भी की जा रही है। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पदों के प्रतिस्थापन, प्रतिनियुक्ति के लिए आरक्षण और नए सेटअप में पदों को शामिल करने की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो और इसे जल्द पूरा किया जाए।

भर्ती नियमों की भी होगी समीक्षा

विभागीय कामकाज को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने के लिए भर्ती नियमों की भी समीक्षा की जाएगी। मंत्री ने विभागीय सेटअप को वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि प्रशासनिक ढांचे में यह बदलाव विभागीय समन्वय को मजबूत करने के साथ मैदानी स्तर पर योजनाओं की निगरानी को भी बेहतर बनाएगा।

नेताओं का अहंकार

सत्ता की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वह जितनी ऊंचाई देती है, उतना ही अकेला भी कर देती है। यदि उस ऊंचाई पर सच बोलने वाले लोग न बचें, तो निर्णय धीरे- धीरे विवेक से नहीं, भ्रम से संचालित होने लगते हैं। इतिहास के पन्ने ऐसे शासकों से भरे पड़े हैं, जिन्होंने अपनी शक्ति को अजेय समझ लिया और अंततः उसी आत्मविश्वास ने उन्हें ऐसी लड़ाइयों में धकेल दिया, जिनका कोई सम्मानजनक अंत नहीं था। आज वैश्विक राजनीति एक बार फिर ऐसे ही मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन-तीनों अलग राजनीतिक संस्कृतियों से आते हैं, लेकिन उनकी रणनीतियों में एक समान धागा दिखाई देता है। यह विश्वास कि सैन्य शक्ति राजनीतिक वास्तविकताओं को बदल सकती है। यह सोच जितनी आकर्षक सुनाई देती है, व्यवहार में उतनी ही खतरनाक साबित होती है। क्योंकि बम इमारतें गिरा सकते हैं, समाज नहीं बदल सकते; मिसाइलें सीमाएं पार कर सकती हैं, लेकिन लोगों के मन नहीं जीत सकतीं। इजराइल की ईरान नीति इसका ताजा उदाहरण है। यह मान लेना कि हवाई हमलों के सहारे किसी देश की सत्ता बदली जा सकती है या बाहर से उसके नेतृत्व का निर्धारण किया जा सकता है, मध्य-पूर्व की जटिल सामाजिक और राजनीतिक संरचना को नकारने जैसा है। यह केवल रणनीतिक जोखिम नहीं, बल्कि इतिहास से आंखें मूंद लेने जैसा भी है। किसी भी राष्ट्र की राजनीति अंततः उसकी जनता तय करती है, पड़ोसी देश नहीं। रूस ने भी यूक्रेन को लेकर लगभग यही भूल दोहराई। शीघ्र विजय का जो अनुमान लगाया गया था, वह लंबा, महंगा और थकाऊ युद्ध बन गया। इससे स्पष्ट हुआ कि जब खुफिया एजेंसियां वास्तविकता के बजाय सत्ता की अपेक्षाओं के अनुरूप सूचनाएं देने लगती हैं, तब युद्धक्षेत्र में सबसे पहले सत्य पराजित होता है। चापलूसी किसी भी शासन की सबसे खतरनाक खुफिया विफलता होती है। अमेरिका भी इस समीकरण से अलग नहीं है। ईरान के प्रति कठोर सैन्य रुख ने शक्ति का प्रदर्शन तो किया, लेकिन क्षेत्रीय स्थिरता को और अधिक अनिश्चित बना दिया। यह प्रश्न अब और प्रासंगिक हो गया है कि क्या सैन्य कार्रवाई वास्तव में स्थायी समाधान देती है, या केवल नए संकटों को जन्म देती है।

सरकार के सख्त नियमों से लगेगा किराए की कोख की दुकानों पर अंकुश

प्रमोद भार्गव
स्तंभकार

केंद्र सरकार 'किराए की कोख' यानी सरोगेसी मदर की क्लीनिक के नाम पर खुली मनमानी दुकानों पर अंकुश लगने जा रही है। अब कुकुरमुत्तों की तरह देशभर में खुल रही नई दुकानें खोलने पर सख्ती बरती जाएगी। सरोगेसी केंद्रों और इनमें होने वाले फर्जीवाड़े को रोकने के लिए सरकार ने इसमें पंजीयन और संचालन के नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत इन केंद्रों को अब उपग्रहों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा। अब केवल राष्ट्रीय पोर्टल और ऑनलाइन आवेदन ही होंगे। इस पर निगरानी ऑनलाइन सॉफ्टवेयर से होगी। कागजी आवेदन व दस्तावेजीकरण की सुविधा पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है। ये क्लीनिक अन्य दूसरे क्लीनिक को चिकित्सा सुविधा नहीं दे सकेगा। केंद्र सरकार ने राज्यों को निर्देश दिए हैं कि नए नियमों का सख्ती से पालन किया जाए।

दरअसल, किराए की कोख का व्यवसायीकरण हो रहा है। यह इस तथ्य से पता चला कि कुछ ही सालों के भीतर देश में 35 से 50 प्रतिशत केंद्रों की संख्या बढ़ गई। इसी अनुपात में देश-विदेश में ठगी की घटनाएं भी बढ़ी हैं। हैदराबाद में ऐसा गिरोह पकड़ा गया, जो 2 से 4 लाख में कोख किराए पर लेकर 30 लाख रुपए तक में बेच देते थे। यहां तक कि विदेशों से भी शुक्राणु दानदाता लाए गए। यानी देश के बाहर भी बच्चे बेचे गए। हालांकि 2025 में सरकार ने शुक्राणु दाता नियमों में बदलाव किया था लेकिन कारोबारियों ने इन नियमों की अनदेखी की। नाबालिग और अविवाहित लड़कियों की कोख का भी अवैध इस्तेमाल किया गया। भारत में कोख किराए से लेने का खर्च 10 से 25 लाख है, जबकि विदेशों में 80 लाख से डेढ़ करोड़ रुपए तक है। इसलिए सरोगेसी क्लीनिकों में किराए की कोख अवैध कारोबार का बड़ा धंधा बनती जा रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तमिलनाडु में सरोगेसी के अनेक ठगी के मामले सामने आए हैं। इसलिए सरकार को नियमों में बदलाव करना पड़ा। इसके पहले 2025 में लिव इन और समलैंगिक युगलों को किराए की कोख के जरिए माता-पिता बनने का अधिकार देने से साफ मना कर दिया था।

अब ऑनलाइन जानकारी होने से निगरानी तंत्र के पास सरोगेसी क्लीनिक संचालन व नवीनीकरण संबंधी जानकारी हर वक्त सामने होगी। इससे अनियमितता को आसानी से चिन्हित कर लिया जाएगा। क्लीनिक के पास क्या वैध दस्तावेज हैं, इसकी भी पुख्ता जानकारी मिलती रहेगी। कोई भी कमी पाए जाने पर संस्था को प्रतिबंधित किया जा सकेगा। इन केंद्रों के कर्मचारियों और बच्चों के जन्म की जानकारी भी मिलती रहेगी। सरकार इन नियमों को एक साथ लागू करने की बजाय चरणबद्ध अमल में लाएगी। वर्तमान कानून के अनुसार किसी अन्य महिला की कोख के प्रयोग की अनुमति तब मिलती है, जब कानून के अनुसार विवाहित जोड़ा शारीरिक रूप से अक्षम हो या फिर गर्भधारण करने में पत्नी की जान को खतरा हो। अर्थात इस हालात में वैवाहिक जोड़ा सरोगेसी मदर का साहरा ले सकता है। कानून के अनुसार यह भी बाध्यकारी शर्त है कि किराए की कोख देने वाली महिला विवाहित होनी चाहिए और कम-से-कम उसका एक बच्चा भी हो। साथ ही पति की आयु 26 से 55 वर्ष और पत्नी की आयु 23 से पचास वर्ष के बीच होना आवश्यक है।

किराए की कोख के कानून में परिवर्तन इसके बढ़ते अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने की दृष्टि से किया गया है। अब केवल निःसंतान दंपति जो बच्चे पैदा करने में शारीरिक रूप से अक्षम हैं, वे अपने किसी करीबी रिश्तेदार की मदद ले सकते हैं। इस सुविधा को कानूनी भाषा में 'अल्ट्रस्टिक सर्जरी सरोगेसी' कहा जाता है। भारत दुनिया के दंपतियों के लिए किराए की कोख का बड़ा व्यावसायिक नाभिकेंद्र बनता जा रहा है, जो सुविधा वास्तविक जरूरतमंदों के लिए शुरू की गई थी, वह अमीर दंपतियों के लिए शौक में तब्दील होती जा रही है। सूचना तकनीक के बाद भारत में प्रजनन का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। इसमें किराए पर कोख दिए जाने का धंधा भी शामिल है। चिकित्सा पर्यटन के बहाने विदेशी पर्यटक भारत प्रसूति पर्यटन के लिए भी आ रहे हैं।

भारत में किराए की कोख का कारोबार अरबों डॉलर का हो गया है लेकिन यह धंधा अंततः प्रकृति की प्रतिरूप महिला की कोख पर टिका है, ठीक उसी तरह जिस तरह, उदारवादी अर्थव्यवस्था प्रकृति के गर्भ में समाई खनिज संपदाओं के दोहन पर टिकी है। इस धंधे की भारी कीमत उन महिलाओं को चुकानी पड़ी है, जिन्हें अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए हर हाल में धन की जरूरत रहती है। अतएव 2016 में प्रजनन सहायक तकनीक विधेयक लाकर केंद्र सरकार ने इस गोरखधंधे पर अकुंश लगाने की पहल कर दी थी। जो एक सही कदम रहा है। लेकिन इस कानून से उन्हें परेशानी है, जिन्होंने स्त्री की आर्थिक कमजोरी को वस्तु में डालकर उसकी कोख को बाजार के हवाले कर दिया है। वे यह भी दलील दे रहे हैं कि कठोर कानून से विदेशी मुद्रा का आगमन रुक जाएगा।

अप्रवासी भारतीयों में सरोगेसी की मांग बहुत ज्यादा थी। यदि स्त्री स्वस्थ व सुंदर होने के साथ उच्च जाति और उत्तम पारिवारिक पृष्ठभूमि से होती थी तो उसे ज्यादा पैसा दिया जाता था। अप्रवासी दंपति भारत आकर किराए की कोख द्वारा बच्चा पैदा करना इसलिए भी अच्छा मानते थे क्योंकि वे मनौवैज्ञानिक स्तर पर अपने को भारत से जुड़ा पाते थे, नतीजतन भारत में सरोगेसी की मांग तेजी से बढ़ रही रही थी। वर्तमान में अमीर घरों की स्त्रियां शौक के लिए या बच्चा पैदा करने के कठिन दायित्व से बचने के लिए किराए की कोख से संतान पैदा कर रही हैं। अतएव यह कारोबार निरंतर बढ़ रहा था। यहां तक कि नाबालिग और अविवाहित लड़कियां भी इस धंधे में धन कमाने के लिए उतरती चली आ रही थीं। इसलिए इस कानून में नए बदलाव जरूरी थे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

महाराष्ट्र की पुरातन दिंडी यात्रा परंपरा का मध्यप्रदेश से भी संबंध

गिरीश जोशी
स्तंभकार

इस समय पूरे देश में भक्तिमय वातावरण दिखाई दे रहा है। हाल ही में जगन्नाथ पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हुई। देश में भक्ति आंदोलन की परंपराओं में से एक आषाढ़ एकादशी पर भगवान विट्ठल के दर्शन हेतु पहुंचने वाली दिंडी यात्राएं भी महाराष्ट्र में शुरू हो गयी हैं। इस यात्रा की परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है। लाखों लोग इस यात्रा में हर साल शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र में आषाढ़ मास की एकादशी के अवसर पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान श्री कृष्ण के विट्ठल स्वरूप के दर्शन करने के लिए पंढरपुर पहुंचते हैं। पंढरपुर की इस यात्रा को वारि कहा जाता है। इस यात्रा में सभी भक्त पूज्य संतों के स्थान से उनकी पवित्र चरण पादुकाओं को पालकी में रख कर पैदल निकल पड़ते हैं। उसके आगे संतों द्वारा रचित अभंगों का गायन करते हुए वारकरी भक्त चलते हैं। इस शोभा यात्रा को दिंडी कहा जाता है। विगत आठ-नौ सौ वर्षों में वारकरी परंपरा का अनुसरण करते हुए अनेक बड़े-बड़े संत हुए हैं। खास बात यह है कि ये सभी संत समाज के अलग-अलग घटकों से निकले हैं, संत ज्ञानेश्वर द्वारा शुरू की गई इस परंपरा का अनुसरण करते हुए जिसमें खासतौर पर संत तुकाराम, संत एकनाथ, संत चोखा मेला, सन्त गोरा कुंभार, संत सेन महाराज, संत सावता माली, संत नरहरी सोनार जैसे संत हुए हैं। वारकरी संप्रदाय की एक विलक्षण आचार पद्धति है। जिसमें सभी बिना किसी भेदभाव के एक दूसरे के चरण छूते हैं। वे मानते हैं कि सभी प्राणियों के भीतर एक ही ईश्वर का अंश है। इसलिए वह आपस में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखते हैं। आज जब समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ाने के लिए अनेक प्रकार के प्रयोग किए जा रहे हैं ऐसे समय में संत ज्ञानेश्वर महाराज द्वारा लगभग आठ सौ वर्ष पूर्व शुरू किया गया यह प्रयोग आज भी सफल है, निरंतर चल रहा है।

जिस संत की समाधि पंढरपुर से जितनी दूरी पर है उतनी दूरी को पैदल चलकर पूरा करने में जितना समय लगता है उस समय के आधार पर दिंडी यात्राएं संतों के समाधि मंदिरों से निकलना शुरू होती है। सभी वारकरी भक्त अपने साथ केवल रोजमर्रा के लिए काम आने वाला सामान जैसे कुछ कपड़े, सहारे के लिए लकड़ी आदि लेकर चलते हैं। पूरे दिंडी मार्ग पर समाज द्वारा उनके भोजन, आवास आदि की व्यवस्था की जाती है, ये क्रम परपरागत रूप से अनेक वर्षों से चला आ रहा है।

कुछ वर्षों पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने निर्मल वारी के नाम से एक सफल प्रयोग शुरू किया। इस यात्रा में लाखों की संख्या में भक्तजन एक ही निर्धारित मार्ग से चलते हैं, इसलिए मार्ग में किसी प्रकार का कचरा ना हो, गंदगी ना हो, प्रातः कालीन विधि के दौरान उत्सर्जित होने वाले मल का समुचित निस्तारण हो इसके लिए संघ के स्वयंसेवकों ने एक बड़ा अभियान चलाया जिसे बड़ी सफलता मिली है। वर्तमान दिंडी यात्रा के स्वरूप का मध्यप्रदेश से संबंध है। मध्यप्रदेश में तत्कालीन सिंधिया स्टेट में हैबत राव पवार एक सेना अधिकारी थे, वे भगवान विट्ठल के अनन्य भक्त थे, संत ज्ञानेश्वर पर उनकी बड़ी निष्ठा और श्रद्धा थी। जब वे सेवानिवृत हुए तब उन्होंने पुनः अपने जन्म स्थान महाराष्ट्र में अरफल जाने की इच्छा महाराज के सामने रखी। महाराज ने उन्हें बड़ी धनराशि और सोने चांदी के जेवर आदि देकर सम्मान के साथ विदा किया।

रास्ते में एक स्थान पर जनजाति समुदाय की एक टोली ने उनका रास्ता रोका, धन संपत्ति को लूट लिया। इस झड़प में उनके साथ चल रहे अनेक सैनिक भी मारे गए। हैबत राव को एक गुफा में बंद कर दिया गया। जब वह गुफा में बंद थे तब उन्हें लगा कि अब यहीं उनका अंत होने वाला है। उन्होंने भगवान विट्ठल की प्रार्थना और संत ज्ञानेश्वर को हृदय की गहराई से पुकार लगना शुरू किया। ऐसा कहा जाता है कि संत ज्ञानेश्वर ने उस टोली के मुखिया की पत्नी को जिसे लंबे समय से संतान नहीं हो रही थी, के स्वप्न में आकर कहा कि यदि तूम मेरे इस भक्त को छोड़ देते हो तो तुम्हें संतान प्राप्ति होगी। उसने ये बात अपने मुखिया पति को बताई। टोली ने हैबत राव को छोड़ दिया। लेकिन इस बात का हैबत राव जी के मन पर बड़ा परिणाम हुआ और उन्होंने अपने गांव अरफल न जाते हुए संत ज्ञानेश्वर की संजीवन समाधि आळंदी जाने का निश्चय किया।

यहां उन्होंने संत ज्ञानेश्वर की समाधि मंदिर की आजीवन सेवा की। सेना में रहने के कारण वे हर काम बड़े अनुशासन और व्यवस्थित पद्धति तरीके से करने के आदी थे। हर साल निकलने वाले दिंडी यात्रा के स्वरूप को देखकर उसे ज्यादा व्यवस्थित, अनुशासित और क्रमबद्ध करने का विचार उनके मन में आया। इसके लिए उन्होंने 1832 में दिंडी यात्रा के लिए भक्तों के चलने का क्रम तय किया। सबसे आगे भगवा ध्वज, बड़े मंजीरे जिन्हें मराठी में टाळ कहते हैं, फिर तंबोरा वादक, पालकी जिसमें संतों की चरण पादुकाएं रहेगी और पीछे सभी वारकरी भक्ति चलेंगे ये क्रम बनाया।

पंढरपुर की तरह इंदौर में भी कान्ह और सरस्वती नदी के संगम के पास एक ऐसे स्थान को चुना गया जहाँ नदी अर्धचंद्राकार में मुड़ती है। इस कारण इंदौर के इस क्षेत्र को 'चंद्रभागा' कहा जाने लगा। यहाँ भगवान् विट्ठल जिन्हें पंढरीनाथ भी कहा जाता है के भव्य मंदिर का निर्माण महाराजा मल्हार राव होलकर द्वितीय के शासनकाल के दौरान 1811 से 1833 के बीच करवाया गया।

इंदौर के शुकदेव शास्त्रीजी ने 1944 में दिंडी यात्रा शुरू की। इसी प्रकार से 1949 में श्री बापुराव धनावडे ने भी एक दिंडी यात्रा इंदौर में शुरू की। ये यात्राएं आज भी निकलती है। वर्ष 2006-07 में माधव राव सदाशिव राव गोलवलकर (श्री गुरुजी) की जन्मशताब्दी वर्ष में समाज में समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम हो रहे थे। इसे कड़ी में दिंडी यात्रा को बड़ा स्वरुप देने का विचार कर समग्र मराठी समाज, मध्यप्रदेश मंच बनाकर बड़े पैमाने पर इंदौर में दिंडी यात्रा शुरू हुई। आगे चलकर ये यात्रा 2010 में भोपाल, 2013 में छिंदवाड़ा, 2015 में जबलपुर और गत वर्ष से उज्जैन में भी शुरू हुई है। मध्यप्रदेश में पंढरपुर की तर्ज पर ये यात्राएं निकाली जा रही हैं। इस तरह महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने की एक मुख्य कड़ी साबित हो रही है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

रिसर्च में भी सही साबित हुए लहसुन खाने से इम्यूनिटी बढ़ने के दावे

भारतीय घरों में लहसुन का इस्तेमाल केवल स्वाद बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि घरेलू नुस्खों के रूप में भी किया जाता रहा है। सर्दी-जुकाम, खांसी और संक्रमण के मौसम में कई लोग रोज सुबह कच्चा लहसुन खाने की सलाह देते हैं। आयुर्वेद में इसे 'रसायन' गुणों वाला माना गया है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) को मजबूत करने, पाचन में सुधार करने और वात-कफ दोष को संतुलित करने में सहायक होता है। कई आधुनिक वैज्ञानिक शोध भी बताते हैं कि लहसुन में मौजूद एलिसिन (Allicin), सल्फर यौगिक, फ्लेवोनॉयड्स और एंटीऑक्सीडेंट शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर ढंग से काम करने में मदद कर सकते हैं। डॉ. राजेश बयारी (एमडी, चित्रकूटा आयुर्वेद चिकित्सालय, कुंडापुरा) बताते हैं कि लहसुन निश्चित रूप से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

डॉ. राजेश बयारी बताते हैं कि लहसुन में मौजूद सल्फर का एक मुख्य तत्व, जिसे 'एलिसिन' कहते हैं, एक बेहतरीन एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबायोटिक और एंटीवायरल एजेंट के रूप में काम करता है। मजबूत इम्यूनिटी शरीर को सर्दी, खांसी, सांस लेने में तकलीफ और संक्रामक बीमारियों जैसी बार-बार होने वाली समस्याओं से लड़ने की अंदरूनी ताकत देती है। इसके साथ ही, लहसुन रक्त वाहिकाओं की रुकावट को दूर करता है, कोलेस्ट्रॉल कम करता है और दिल की कार्यक्षमता में सुधार करता है। आयुर्वेद में लहसुन को 'लशुन' (Lasuna) कहा गया है। प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों जैसे चरक संहिता और भावप्रकाश निघंटु में इसका उल्लेख औषधीय पौधे के रूप में मिलता है। आयुर्वेद के अनुसार लहसुन में मुख्य रूप से अग्नि (पाचन शक्ति) को बेहतर बनाना, वात और कफ दोष को संतुलित करना, शरीर में ऊर्जा बढ़ाना, संक्रमण से लड़ने में सहायता करना, हृदय और रक्त संचार को स्वस्थ रखने में मदद करना आदि गुण बताए गए हैं। आयुर्वेदाचार्यों का मानना है कि मजबूत पाचन शक्ति और संतुलित दोष अप्रत्यक्ष रूप से बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता से जुड़े होते हैं।

आधुनिक रिसर्च बताती है कि लहसुन में Diallyl Sulfide, Ajoene और अन्य ऑर्गनोसल्फर कंपाउंड पाए जाते हैं। ये यौगिक शरीर में एंटीऑक्सीडेंट और हल्के एंटीमाइक्रोबियल प्रभाव दिखा सकते हैं। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि नियमित लहसुन सेवन से प्रतिरक्षा कोशिकाओं की कार्यक्षमता बेहतर हो सकती है और सामान्य सर्दी-जुकाम की आवृत्ति कम हो सकती है। हालांकि, जिन लोगों के शरीर में गर्मी ज्यादा रहती है, जिनकी प्रकृति पित्त प्रधान है, या जो एसिडिटी, गैस्ट्राइटिस या पेट के अल्सर से परेशान हैं, उन्हें किसी भी हाल में खाली पेट कच्चा लहसुन नहीं खाना चाहिए। इससे पेट में जलन, सीने में जलन या ब्लीडिंग से जुड़ी समस्याएं (रक्तपित्त) बढ़ सकती हैं। ऐसे लोग घी में हल्का भूनकर या रोजाना के खाने में पकाकर लहसुन का सुरक्षित रूप से सेवन कर सकते हैं।

निशाना

नैतिकता हो चुकी नदारद..!

बाबूलाल कदम

सब बदल-बदलकर भेष मिलेंगे,
कालनेमि कुछ लंकेश मिलेंगे
नैतिकता तो हो चुकी नदारद,
बस कहीं-कहीं अवशेष मिलेंगे।।
सचमुच का साँच कहाँ से लाएँ,
सह ले जो आँच कहाँ से लाएँ।
चार जने मिल सच कहें झूठ को,
तो सच्चे पाँच कहाँ से लाएँ।।
तीर रघुवर का छूटे तो क्या कीजै,
ध्रुवतारा नभ से टूटे तो क्या कीजै।
अनहोनी ऐसी होने लगी अब तो,
घरवाला ही घर लूटे तो क्या कीजै।।
माना कि भूखे-नंगे लूट लेते हैं,
कभी कभी भले चंगे लूट लेते हैं।
सहन होती नहीं ऊँचाइयाँ जिनको,
वो उड़ती हुई पतंगें लूट लेते हैं।।

न्यू फीचर

पासवर्ड भूल गए तो अब सेल्फी वीडियो दिखाइए और खुल जाएगा गूगल अकाउंट

गूगल ने अपने यूजर्स के लिए एक नया फीचर शुरू किया है। अगर आप गूगल अकाउंट का पासवर्ड भूल गए हैं तो इस फीचर के सहारे लॉगिन कर सकते हैं। गूगल आपको ऑप्शन दे रहा है कि सेल्फी वीडियो को आप एक लॉगिन ऑप्शन की तरह यूज कर सकते हैं। हालांकि, अभी यह फीचर सभी के लिए लाइव नहीं हुआ है। आप g.co/signin-selfie इस पर जाकर एलिजिबिलिटी चेक सकते हैं। अगर आप पात्र हैं तो यहां पहुंचते ही आपसे सेल्फी को लॉगिन ऑप्शन बनाने से जुड़ा सवाल पूछा जाएगा। इसके बाद आपकी एक छोटी सी वीडियो बनेगी और आपका फीचर तैयार है। गूगल अकाउंट में कई तरह की फोटोज, फाइल और डाटा वगैरह पड़ा होता है। कई बार लोग पासवर्ड भूल जाते हैं और फिर यह सारा डाटा खोने का डर पैदा हो जाता है।

फीचर चालू करने के लिए आपको कैमरे की तरफ सीधे देखना होगा। इसके बाद स्क्रीन पर दिए गए निर्देशों के अनुसार सिर को अलग अलग दिशा में घुमाना होगा, ताकि कैमरा चेहरे के कई एंगल रिकॉर्ड कर सके। यह वीडियो आपके गूगल अकाउंट में सुरक्षित तरीके से सेव हो जाएगा। अगर भविष्य में आप अपने अकाउंट में लॉगिन नहीं कर पाते, तो गूगल आपको सेल्फी वेरिफिकेशन का विकल्प देगा। इस दौरान आपको फिर से एक नया सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड करना होगा। लाइव वीडियो का मिलान पहले से सेव वीडियो से किया जाएगा। पहचान सही मिलने पर अकाउंट का एक्सेस मिल जाएगा।

कंपनी का कहना है कि सेल्फी वीडियो सिर्फ यूजर की अनुमति से सेव किया जाएगा और यह एन्क्रिप्टेड रहेगा। इसे केवल अकाउंट लॉगिन और रिकवरी के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। अगर यूजर चाहे तो गूगल अकाउंट की सेटिंग्स में जाकर इसे कभी भी डिलीट भी कर सकता है।

गूगल का कहना है कि सिस्टम सिर्फ फोटो देखकर फैसला नहीं करेगा। यूजर को लाइव मूवमेंट भी करने होंगे, ताकि यह साबित हो सके कि सामने असली व्यक्ति ही मौजूद है। इसके अलावा सिस्टम डीपफेक, नकली फोटो और संदिग्ध लॉगिन की भी जांच करेगा।

अजब - गजब

कुंवारी मां बनीं लड़कियां तो बच्चों को जिंदा गाड़ दिया, अब उठा सच्चाई से पर्दा !

मानवता को झकझोर देने वाले आयरलैंड के चर्चित 'मदर एंड बेबी होम' मामले में जांच के दौरान एक और अहम जानकारी सामने आई है। खुदाई कर रही फॉरेंसिक टीम को 22 और नवजात बच्चों के कंकाल और अस्थियां मिली हैं। इसके साथ ही अब तक इस परिसर से कुल 99 बच्चों के अवशेष बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी सच्चाई से 60 साल बाद परदा उठा है। जांच एजेंसियों का मानना है कि जमीन के नीचे अभी भी बड़ी संख्या में बच्चों के अवशेष हो सकते हैं और खुदाई का काम आगे भी जारी रहेगा। ताजा बरामदगी उस हिस्से से हुई है, जिसे पुराने दस्तावेजों में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज किया गया था। जांच में शामिल अधिकारियों के मुताबिक, बच्चों के अवशेष छोटे-छोटे ताबूतों में मिले हैं। सभी अवशेषों को सुरक्षित तरीके से आधुनिक फॉरेंसिक लैब में भेजा गया है, जहां उनकी वैज्ञानिक जांच की जाएगी।

अधिकारियों के अनुसार, ये अवशेष उन बच्चों के हो सकते हैं जिनका जन्म इस संस्थान में रह रही बिन ब्याही महिलाओं से हुआ था। उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और उन्हें वहां किस तरह दफनाया गया, इसकी जांच अभी जारी है।' एक्सपर्ट पहले इन कंकालों को संरक्षित करेंगे और फिर रेडियोलॉजी, 3डी स्कैनिंग और अन्य तकनीकों की मदद से यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि बच्चों की उम्र क्या थी, उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और क्या उनकी पहचान स्थापित की जा सकती है। जांच का एक अहम हिस्सा डीएनए टेस्ट भी है। अब तक 62 लोगों ने अपने डीएनए नमूने जांच एजेंसियों को सौंपे हैं, ताकि अवशेषों की पहचान उनके परिवारों से कराई जा सके। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रक्रिया समय लेने वाली है, लेकिन इससे कई लोगों को दशकों पुराने सवालों के जवाब मिल सकते हैं।

इस बारे में वरिष्ठ फॉरेंसिक सलाहकार डॉ नीव मैकुलघ ने कहा कि शुरुआती खुदाई में ही इतनी बड़ी संख्या में अवशेष मिलना इस बात का संकेत है कि परिसर के अन्य हिस्सों में भी और अवशेष हो सकते हैं। उनके अनुसार, एक ही स्थान पर इतने बच्चों को दफनाया जाना गंभीर जांच का विषय है और पूरी साइट की वैज्ञानिक तरीके से पड़ताल की जा रही है।

बारिश से लहलहाए धान के खेत, किसानों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

गंजबासौदा। क्षेत्र में हुई अच्छी बारिश के बाद कई किसानों के धान के खेत पानी से लबालब भर गए हैं। लंबे समय से वर्षा का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह बारिश किसी राहत से कम नहीं है। खेतों में पर्याप्त पानी भरने से किसानों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दे रही है। वहीं जो किसान पानी पर्याप्त न मिलने कारण धान की रोपाई नहीं कर पाए थे। उन किसानों ने रोपाई का कार्य भी तेज गति से शुरू हो गया है। बारिश के बाद खेतों में अनुकूल वातावरण बनने से बड़ी संख्या में किसान परिवार धान की रोपाई में जुट गए हैं।

न्यूज विंडो

बीच सड़क पर सैकड़ों मवेशियों का डेरा हर पल मंडरा रहा हादसे का खतरा

गंजबासौदा। एक ओर शासन प्रशासन सड़कों को दुर्घटनामुक्त बनाने के लिए लगातार निर्देश जारी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर और ग्रामीण अंचलों में गौवंश की बदहाली इन दावों की पोल खोल रही है। शुक्रवार को सिरोंज रोड स्थित अंबानगर के समीप जरोद पुल पर ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जहां बीच पुल पर सैकड़ों की संख्या में गौमाता और अन्य मवेशी बैठे रहे। इससे न केवल यातायात बाधित हुआ, बल्कि हर गुजरने वाले वाहन चालकों को सावधानी से वाहन निकालने पड़े। यह नजारा केवल अव्यवस्था का नहीं, बल्कि उन बेजुबान गौमाताओं की बेबसी का भी प्रतीक है, जो संरक्षण के इंतजार में खुले आसमान के नीचे सड़कों पर जीवन बिताने को मजबूर हैं। पुल जैसे संकरे मार्ग पर मवेशियों का जमावड़ा कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। दोपहिया वाहन चालक और रात के समय गुजरने वाले भारी वाहन विशेष रूप से दुर्घटना की आशंका से जूझते हैं। जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि आवारा मवेशियों को सड़कों से हटाकर गौशालाओं में सुरक्षित रखा जाए, ताकि मानव जीवन और पशुओं दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतें करने के बाद भी स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। गौसेवा और गौसंरक्षण की बातें अक्सर मंचों तक सीमित रह जाती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि गौमाता आज भी सड़क और पुलों पर बैठकर मानो यही पुकार रही हैं हमारी भी सुनो सरकार।

आरोपी की गिरफ्तारी और वाहन जब्ती नहीं हुई तो करेंगे उग्र आंदोलन

गंजबासौदा। श्री विश्वकर्मा समाज समिति ने स्वर्गीय रामसिंह विश्वकर्मा की सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु के मामले में पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी व्यक्त करते हुए थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। समिति का कहना है कि दुर्घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा आरोपी और संबंधित वाहन के विरुद्ध अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में समाज के पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की कि दुर्घटना में शामिल वाहन को तत्काल जब्त किया जाए तथा आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए। समाज का कहना है कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में हो रही देरी से लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। समिति ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आगामी तीन दिनों के भीतर आरोपी की गिरफ्तारी और वाहन की जब्ती नहीं की गई तो विश्वकर्मा समाज उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। ऐसी स्थिति में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान समाज के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष और त्वरित कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की।

विधायक ने पूछा- 4 बजे से पहले क्यों कर दी छुट्टी, प्राचार्य ने कहा- बारिश की वजह से

सिरोंज -शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यालयों में अनुशासन को लेकर विधायक उमाकांत शर्मा बीते दिन औचक निरीक्षण पर पहुंचे। एक कार्यक्रम से लौटते समय वे शाम करीब 4:30 बजे रावजी स्थित शासकीय कन्या सेकेंडरी स्कूल पहुंचे। उन्होंने स्कूल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सबसे पहले छात्राओं की समय से पहले छुट्टी किए जाने पर सवाल उठाया। विधायक शर्मा ने प्राचार्य प्रमोद जैन से पूछा कि छात्राओं की छुट्टी निर्धारित समय से पहले क्यों कर दी गई। प्राचार्य ने बारिश के मौसम का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि संभावित बारिश को देखते हुए छात्राओं को पहले ही भेज दिया गया। इस पर विधायक ने कहा कि जब बारिश नहीं हो रही है, तो स्कूल निर्धारित समय तक संचालित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुशासन से ही बेहतर शिक्षा संभव है। समय से पहले छुट्टी करने जैसी परंपरा छात्राओं में अनुशासन को कमजोर करती है।

बिजली कंपनी की मनमानी: बिल वसूली पर बवाल

40 से अधिक के काटे कनेक्शन जेई पर लगाए अभद्रता के आरोप

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र की झींक बिजुरी पुलिस चौकी अंतर्गत गांव झींक बिजुरी में बिजली बिल की वसूली के दौरान गत दिवस शाम विवाद की स्थिति बन गई। बिजली विभाग की टीम बकाया बिजली बिल की वसूली के लिए गांव पहुंची थी। इस दौरान कई उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटे जाने पर ग्रामीणों ने विरोध जताया। मामला बढ़ने पर दोनों पक्ष पुलिस चौकी पहुंचे और लिखित शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीण अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि गांव के कुछ घरों पर बिजली बिल बकाया था। इसकी वसूली के लिए जैतपुर बिजली विभाग का अमला, जिसमें कनिष्ठ अभियंता (जेई) भी शामिल थे, गांव पहुंचा। उनके अनुसार विभाग की कार्रवाई के दौरान कई उपभोक्ताओं ने मौके पर ही बकाया राशि जमा कर दी, जबकि कुछ लोगों ने भुगतान नहीं किया। ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बावजूद विभाग ने गांव के लगभग 40 से अधिक घरों के बिजली कनेक्शन काट दिए। इससे गांव में नाराजगी फैल गई और लोगों ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। विरोध के दौरान कहासुनी भी हुई।

अनिल श्रीवास्तव का आरोप है कि जब ग्रामीणों ने बिजली कनेक्शन काटने का कारण पूछा और विरोध दर्ज कराया तो मौके पर मौजूद जेई ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद ग्रामीण बड़ी संख्या में झींक बिजुरी पुलिस चौकी पहुंचे और पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई।

दूसरी ओर बिजली विभाग के कर्मचारियों ने भी अपनी ओर से शिकायत पुलिस को सौंपी है। घटना के बाद गांव में कुछ समय तक तनाव का माहौल बना रहा। हालांकि पुलिस की समझाइश के बाद स्थिति सामान्य हो गई। झींक बिजुरी चौकी प्रभारी रामपाल वर्मा ने बताया कि ग्रामीणों एवं बिजली विभाग के कर्मचारियों, दोनों पक्षों से लिखित शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की पड़ताल कर रही है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि उनकी शिकायत पर निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

नरसिंहपुर में जटिल प्रसव के दौरान आपस में जुड़े दुर्लभ जुड़वा बच्चों का हुआ जन्म

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिला अस्पताल में जटिल प्रसव के दौरान आपस में जुड़े दुर्लभ (कंजॉइंट) जुड़वा बच्चों का जन्म हुआ। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने सिजेरियन डिलीवरी कराई और प्राथमिक उपचार के बाद दोनों नवजातों को बेहतर इलाज के लिए तुरंत जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

सुबह चलती ट्रेन से गिरकर एक यात्री गंभीर घायल

पांढुर्णा। दोपहर मेट्रो

जुना पांढुर्णा रेलवे ट्रैक पर शनिवार सुबह चलती ट्रेन से गिरकर एक यात्री गंभीर घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने एंबुलेंस से घायल को तुरंत पांढुर्णा जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए नागपुर रेफर कर दिया।

दिल्ली में राज्यसभा सांसद नारोलिया की अहम मुलाकातें

महिला सशक्तिकरण और कृषि विकास पर मंथन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष एवं केंद्रीय कृषि मंत्री से शिष्टाचार भेंट कर महिला सशक्तिकरण, कृषि विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की।

नई दिल्ली के मोती बाग स्थित आवास पर सांसद माया नारोलिया ने विजया राहटकर से मुलाकात की। इस दौरान महिलाओं की विधिक सुरक्षा, सामाजिक स्वावलंबन, लैंगिक समानता तथा महिला नेतृत्व को सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार और राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा संचालित योजनाओं एवं नीतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। सांसद नारोलिया ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को नई दिशा दे रही हैं।

इसके बाद सांसद नारोलिया ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी शिष्टाचार भेंट की। बैठक में कृषि विकास, ग्रामीण उत्थान तथा किसानों के हित में संचालित केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। सांसद ने मध्य प्रदेश में चल रही विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी परियोजनाओं की प्रगति से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया तथा आगामी योजनाओं के बेहतर और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। सांसद माया नारोलिया ने कहा कि केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

दो युवतियों के बीच हुआ खूनी संघर्ष एक-दूसरे पर बीयर की बोतल फोड़ी

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में दो युवतियों के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों ने एक-दूसरे पर कांच की बीयर की बोतलों से हमला कर दिया। घटना में एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे परासिया रोड स्थित क्लेरिस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वहीं दूसरी युवती के हाथ में कांच के टुकड़े लगने से वह भी घायल हुई है।

शहजादपुर में खेत में मिला कंकाल

सिरोंज। सुबह क्षेत्र के ग्राम आजमनगर शहजादपुर में खेत में कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव के अवशेषों को जब्त कर जांच शुरू कर दी। ग्राम में रहने वाले सीताराम रघुवंशी गुरुवार सुबह खेत में दवाई डालने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें जमीन पर हड्डियों के टुकड़े दिखाई दिए। पास में ही एक पैंट पड़ी थी जिसमें बेल्ट बंधा हुआ था। सीताराम ने तुरंत गांव के सरपंच सुरेंद्र रघुवंशी को जानकारी दी। सरपंच मौके पर पहुंचे और उन्होंने सिरोंज पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने कंकाल के अवशेष, जूते, बेल्ट लगी पैंट और मोबाइल को जब्त कर लिया।

मेट्रो एंकर

बिजली व्यवस्था और अवैध कॉलोनियों की अव्यवस्थाओं को लेकर किया विरोध

फूटा भाजपा विधायक का गुस्सा, अधिकारियों को जमकर लगाई फटकार

शाजापुर। दोपहर मेट्रो

शाजापुर नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 25 की द्वारकापुरी कॉलोनी में बिजली व्यवस्था और अवैध कॉलोनियों को लेकर भाजपा विधायक अरुण भीमावद ने अधिकारियों पर नाराजगी जताई। गत दिवस विधायक कॉलोनीवासियों की शिकायत पर मौके पर पहुंचे थे।

विधायक ने सड़क किनारे लगे बिजली मीटरों और पूरे क्षेत्र में फैले लटकते केबल के जाल को देखा। उन्होंने विद्युत मंडल, नगर पालिका और संबंधित विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। स्थानीय निवासियों ने विधायक को बताया कि कॉलोनी में कई वर्षों से अस्थायी बिजली कनेक्शन हैं। कई जगहों पर बड़ी संख्या में बिजली मीटर एक ही स्थान पर लगे हैं, जिससे अव्यवस्था बढ़ गई है। सड़क किनारे लगे मीटरों से निकलने वाले केबल पूरे क्षेत्र में बेतरतीब फैले हुए हैं। रहवासियों ने यह भी बताया कि हाल ही में तेज आंधी के दौरान बिजली के तार और केबल नीचे गिर गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभागों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। निरीक्षण के दौरान विधायक अरुण भीमावद ने अधिकारियों से नाराजगी जताते हुए कहा, अवैध कॉलोनी कटी तुम्हारे क्षेत्र में, तुमने आज तक किसी को नोटिस दिया। किसी को बुलाया नहीं और मेरे सामने आकर फालतू बातें कर रहे हो। सब बंद कराओ, यह जितना भी अवैध काम है।

विधायक ने एसडीएम से पूछा कितने नोटिस दिए

विधायक ने एसडीएम से कहा कि मैडम, आप भी थोड़ा देख लीजिएगा, नहीं तो कलेक्टर मैडम को घुमा दीजिएगा, सूज पड़ जाएगी सबको। फिर यह मत कहना मेरा नहीं, मेरा नहीं है। सीएमओ भूपेंद्र कुमार दीक्षित ने कहा कि उनकी जरूरत नहीं है, तो विधायक ने कहा, क्या जरूरत नहीं है। 10 साल हो गए हैं। इसके बाद सीएमओ द्वारा कॉलोनाइजरों को बैठाकर चर्चा करने की बात कहे जाने पर विधायक ने नाराजगी जताते हुए कहा, तुम्हारे क्षेत्र में अवैध कॉलोनी काटी, तुमने कितने नोटिस दिए किसी को बुलाया नहीं।

न्यूज विंडो

जनसुनवाई में 327 आवेदनों पर सुनीं लोगों की समस्याएं

नरसिंहपुर। जिले के लोकप्रिय जनप्रतिनिधि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने अपने नरसिंहपुर स्थित निवास पर जनसुनवाई कर जिलेभर से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने राजस्व, बिजली, पेयजल, सड़क, पेंशन तथा अन्य शासकीय योजनाओं से संबंधित समस्याओं के आवेदन प्रस्तुत किए जनसुनवाई के दौरान कुल 327 आवेदन प्राप्त हुए इनमें से अधिकांश समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देशों के साथ प्रेषित किया गया। विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल का आमजन से सीधा संवाद और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान की कार्यशैली ही उनकी लोकप्रियता का प्रमुख कारण है। उन्होंने जनसुनवाई में मौजूद अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से प्रत्येक आवेदन पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जरूरतमंदों को समय पर राहत मिल सके उन्होंने कहा कि प्रत्येक गुरुवार को आयोजित होने वाली यह जनसुनवाई जिले के लोगों के लिए अपनी समस्याएं सीधे रखने का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से लोग यहां पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर रहे हैं।

एक गुरु-एक वृक्ष अभियान के तहत विद्यालय में हुआ वृक्षारोपण

औबेदुल्लागंज। गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत शासकीय सांदीपनि विद्यालय, औबेदुल्लागंज में बीते दिन एक गुरु-एक वृक्ष अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य चंद्रावती अतुलकर ने की। इस अवसर पर शिप्रा केशरवानी,सुरेंद्र भारती एवं सीमा सोनपुरे ने विद्यार्थियों के साथ विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्राचार्य श्रीमती अतुलकर ने विद्यार्थियों को पौधों की नियमित देखभाल एवं प्रकृति संरक्षण का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

शहजादपुर में खेत में मिला कंकाल, जूते-मोबाइल और बेल्ट वाली पेंट भी बरामद

सिरोंज। सुबह क्षेत्र के ग्राम आजमनगर शहजादपुर में खेत में कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव के अवशेषों को जब्त कर जांच शुरू कर दी। ग्राम में रहने वाले सीताराम रघुवंशी खेत में दवाई डालने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें जमीन पर हड्डियों के टुकड़े दिखाई दिए। पास में ही एक पैंट पड़ी थी जिसमें बेल्ट बंधा हुआ था। साथ में जूते और थोड़ी दूरी पर एक मोबाइल भी पड़ा हुआ मिला। सीताराम ने तुरंत गांव के सरपंच सुरेंद्र रघुवंशी को जानकारी दी। सरपंच मौके पर पहुंचे और उन्होंने सिरोंज पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने कंकाल के अवशेष, जूते, बेल्ट लगी पैंट और मोबाइल को जब्त कर लिया। मौके से साक्ष्य जुटाए गए । प्रारंभिक जांच में शव काफी पुराना लग रहा है। टीआई गजेंद्र सिंह बुंदेला ने बताया कि मौके से सभी साक्ष्य जब्त कर लिए गए हैं। बरामद मोबाइल में पानी भर गया है, जिसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। मोबाइल का डेटा रिकवर कर मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। क्षेत्र में पिछले कुछ समय से लापता लोगों की जानकारी भी खंगाली जा रही है ताकि कंकाल की पहचान हो सके।

सांदीपनि स्कूल के लोकार्पण कार्यक्रम में राजनीतिक बवाल, वायरल हो रहा वीडियो

मंत्री के कार्यक्रम में हंगामा, जिपं अध्यक्ष को पुलिस ने रोका, भाजपा नेता ने मारा थप्पड़

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप के नरसिंहगढ़ में हुए सांदीपनि स्कूल लोकार्पण कार्यक्रम में बीते दिन उस समय माहौल राजनीतिक हो गया, जब जिला पंचायत अध्यक्ष चंदरसिंह सौंधिया को पहले तो कार्यक्रम में जाने से रोका, फिर मंच पर रोक दिया। मंच पर बैठे तो धक्के मारकर उतार दिया। इसके बाद भाजपा नेता ने थप्पड़ जड़ दिया। यह पूरा नजारा प्रभारी मंत्री और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में हुआ। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

घटनाक्रम की शुरुआत बीते दिन दोपहर में कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही हो गई थी। कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत अध्यक्ष चंदरसिंह सौंधिया, उपाध्यक्ष पर्वत यादव, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमन अरोरा और उनके समर्थक भी कार्यक्रम में जाना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें भीतर जाने से रोक दिया। पुलिस का कहना है कि उन्हें आशंका थी कि वे नीट परीक्षा मामले

को लेकर मंत्री के सामने विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। रोके जाने पर सौंधिया समर्थकों के साथ सड़क पर धरने पर बैठ गए। इस दौरान पुलिस के साथ जमकर झूमाझटकी भी हुई। बाद में एसडीएम गोविंद दुबे और तहसीलदार की समझाइश के बाद उन्हें कार्यक्रम स्थल ले जाया गया। जहां मंच पर जगह नहीं होने के कारण वे जमीन पर ही बैठ गए। बाद में उन्हें सम्मान के साथ मंच पर बैठाया गया।

मंच से धक्के मारकर उतारा

जब जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष मंच पर बैठ गए तब भाजपा विधायक का भाषण चल रहा था। इसी दौरान चंदरसिंह ने प्रभारी मंत्री से शिकायत करना शुरू कर दिया कि उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया और जनप्रतिनिधि होने के बावजूद उचित सम्मान नहीं मिला। यह देख भाजपा कार्यकर्ता भड़क गए और एक कार्यकर्ता मंच पर पहुंचा और कहा कि नीचे उतरो, तुम लोग कार्यक्रम बिगाड़ने आए हो। देखते ही देखते दोनों पक्षों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए और मंच पर धक्का-मुक्की व तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। कुछ देर के लिए लोकार्पण समारोह राजनीतिक अखाड़े में बदल गया और कार्यक्रम में मौजूद लोग पूरे घटनाक्रम को देखते रह गए।

भाजपा नेता ने मारा थप्पड़

मंच पर हंगामा बढ़ने पर पुलिस ने स्थिति संभाली और जिला पंचायत अध्यक्ष चंदरसिंह सौंधिया सहित अन्य को कार्यक्रम स्थल से थाने ले जाने लगी। तभी मंच के ही सामने ही एक भाजपा कार्यकर्ता ने चंदर सिंह सौंधिया को थप्पड़ मार दिया। थप्पड़ मारने वाले बुजुर्ग व्यक्ति की फिलहाल पहचान नहीं हुई है। जिपं अध्यक्ष को थप्पड़ जड़ने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जिसे लेकर तरह-तरह की राजनीतिक प्रतिक्रियाएं शुरू हो गई हैं। बच्चों के नए स्कूल के लोकार्पण कार्यक्रम में राजनीतिक हंगामे की पूरे शहर में चर्चा हो रही है। लोगों का कहना है कि शिक्षा के मंदिर में ऐसा नहीं होना चाहिए।

दंपती ने जमीन बेचने से किया इनकार तो भूमाफिया दे रहे जान से मारने की धमकी

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले में भू-माफियाओं की ओर से आदिवासी दंपती के नाम पर करीब 200 एकड़ जमीन खरीदने और फिर बेचने का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। दंपती ने जमीन बेचने से इनकार किया तो उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। दहशत में आए पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई। साथ ही सुरक्षा की गुहार लगाते हुए न्याय की मांग की है।

अजगर ने किया लोमड़ी का शिकार, मचा हड़कंप

झाबुआ। दोपहर मेट्रो

जिले के अंतर्गत आने वाली राणापुर तहसील के ग्राम समोई में बीते दिन को एक विशाल अजगर के दिखाई देने से ग्रामीणों के बीच हड़कंप मच गया। खेत की मेड़ पर बनी खोह में कुंडली मारकर बैठा अजगर कुछ ही देर पहले एक जंगली लोमड़ी का शिकार कर उसे निगल चुका था। शिकार के कारण उसका पेट पूरी तरह फूल गया था और वो सुस्त अवस्था में खोह के भीतर आराम कर रहा था। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे नल्दी के घने जंगल में छोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, ग्राम समोई निवासी किसान अनसिंह कालिया हटिला रोज की तरह अपने खेत पहुंचे थे। इसी दौरान मेड़ के पास स्थित एक खोह में हलचल दिखाई दी। पास जाकर देखा तो भीतर एक भारी-भरकम अजगर कुंडली मारकर बैठा था। उसके उभरे हुए पेट से अंदाजा लगाया गया कि उसने हाल ही में एक लोमड़ी का शिकार कर उसे निगला है। यह नजारा

देखते ही आसपास के ग्रामीणों में दहशत फैल गई, लेकिन उन्होंने समझदारी का परिचय देते हुए अजगर को छेडने के बजाय तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही डीएफओ भारत सोलंकी के निर्देश पर वन विभाग की रेस्क्यू टीम तत्काल गांव पहुंची। टीम में वनपाल इरफान खान, वनरक्षक रंजन मेड़ा और वाहन चालक रेवन अजनार शामिल थे। लोमड़ी को निगलने के कारण अजगर का वजन काफी बढ़ गया था, जिससे उसे संकरी खोह से बाहर निकालना आसान नहीं था। वनकर्मियों ने सावधानी और धैर्य के साथ रेस्क्यू अभियान चलाया और बिना किसी नुकसान के अजगर को बाहर निकालकर बोरे में सुरक्षित रखा और जंगल में छोड़ दिया।

ग्रामीण अंचलों में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार गलत इंजेक्शन से मरीज की हालत हुई गंभीर

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

औबेदुल्लागंज क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बिना डिग्री के इलाज करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों के हौसले बुलंद हैं। ताजा मामला ब्लॉक के ग्राम तिलेंडी से सामने आया है, जहां राजमऊ निवासी महेश कीर ने मृणाल क्रांति धर नामक झोलाछाप डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार सर्दी-बुखार और फंगल इंफेक्शन के इलाज के दौरान लगाए गए इंजेक्शन से उसके शरीर में गंभीर संक्रमण और फोड़ा हो गया। झोलाछाप द्वारा टालमटोल करने पर जब उसने विशेषज्ञ डॉक्टरों से जांच कराई, तो संक्रमण बढ़ने के कारण ऑपरेशन और सर्जरी की बात सामने आई। इस लापरवाही के चलते पीड़ित को अब तक 20 हजार रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान और भारी शारीरिक-मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ रही है। अब सवाल यह उठता हैं कि

स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की लचर मॉनिटरिंग के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में मासूमों की जान से खिलवाड़ का सिलसिला धड़ल्ले से जारी है। शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही नही की जा रही । सीएचएमओ दिनेश खत्री ने बताया कि आपके माध्यम से मुझे जानकारी प्राप्त हो रही हैं इस पर मैं तत्काल संज्ञान लेकर कार्रवाई हेतु पत्र जारी कर रहा हूं,किसी भी प्रकार से स्वास्थ्य व्यवस्था में खिलवाड़ नहीं किया जा सकता अगर झोलाछाप डॉक्टर इस मामले में दोषी पाया जाता है तो वैधानिक कार्यवाही की जाएगी । बीएमओ धर्मेन्द्र गौर ने बताया किऔबेदुल्लागंज बीएमओ धर्मेन्द्र गौर ने कहा कि इस पूरे मामले में मेरे पास जांच का अधिकार नहीं है जांच का अधिकार पूर्व बीएमओ अमृता जीवने को सौंप दिया गया है इस संबंध में आप उनसे चर्चा कीजिए ।

प्राचार्या को हटाने किया चक्काजाम

मंडला। दोपहर मेट्रो

मंडला जिले के कालपी स्थित सांदीपनि स्कूल के छात्रों ने प्राचार्या संगीता श्रीवास्तव को हटाने की मांग को लेकर नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार आलोक सोनी, थाना प्रभारी अनिता कुडापे और बीईओ ए.के. दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और बच्चों को समझाकर जाम खत्म कराया।

संचालनालय राष्ट्रीय कैडेट कोर (राज्य कोष्ठ) मध्यप्रदेश
पी-77 सुल्तानियां इंफेन्ट्री लाईन
भोपाल (दूरभाष 0755-2926566)

संचालनालय राष्ट्रीय कैडेट कोर (राज्य कोष्ठ) मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा किराए के वाहन हेतु जेम पोर्टल पर निविदा क्रमांक GEM/2026/B/7815464 आयोजित की गई है। इच्छुक संस्थायें जेम की शर्तों के अनुसार उक्त निविदा में सम्मिलित हो सकते हैं।

संचालक
संचालनालय राष्ट्रीय कैडेट कोर

जी-16147/26

मेट्रो एंकर समाजिक कार्यकर्ताओं ने सांदीपनि विद्यालय के नवीन भवन का किया निरीक्षण

निर्माण कार्य में मिलीं भारी अनियमितताएं

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की महत्वाकांक्षी योजनाओं और शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार लाने के विजन से जुड़े औबेदुल्लागंज के सांदीपनि शासकीय विद्यालय का नवीन भवन वर्तमान में भारी प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार के साए में खड़ा है।

सरकारी स्कूलों को कॉन्वेंट स्कूलों की तर्ज पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से बनाए गए इस भव्य भवन का अभी अनावरण भी नहीं हुआ है, लेकिन इससे पहले ही इसकी पोल खुलने लगी है और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्कूल की प्राचार्य चंद्रावती अतुलकर द्वारा विद्यालय भवन का संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान जो तथ्य सामने आए, वे अत्यंत चिंताजनक और हैरान करने वाले हैं। स्कूल के ऑडिटोरियम और अन्य कक्षों में निर्माण कार्य के दौरान भारी अनियमितताएं बरती गई हैं। विद्यालय की दीवारों से लगातार पानी रिस रहा है और जगह-जगह सीलन ने दीवारों को अपनी चपेट में ले लिया है। स्थिति यह है कि पुताई होने के बावजूद दीवारों पर सीलन और कमियों

के निशान साफ नजर आ रहे हैं। दीवारों की दरारों को छिपाने के लिए उन पर केवल सीमेंट भरकर लीपापोती करने का भद्दा प्रयास किया गया है, जो ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सीधा सवालिया निशान लगाता है। नियमों और दावों के मुताबिक, इस आधुनिक भवन को कम से कम 50 साल की मजबूती और गारंटी के साथ चलना था। लेकिन अनावरण के पूर्व ही दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें और सीलन यह बताने के लिए काफी हैं कि निर्माण एजेंसी और ठेकेदार ने मानकों को ताक पर रखकर किस स्तर का घटिया काम किया है।

वरिष्ठ अधिकारियों को दी जा चुकी है लिखित शिकायत

इस पूरे मामले पर विद्यालय की प्राचार्य चंद्रावती अतुलकर ने बताया कि भवन निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, लेकिन इसमें पाई गई गंभीर कमियों और गुणवत्ताहीनता के संबंध में उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को पहले ही लिखित रूप से अवगत करा दिया है। उल्लेखनीय है कि इस विद्यालय के अनावरण कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां दो बार हो चुकी हैं, लेकिन किन्हीं कारणों से उद्घाटन कार्यक्रम दो बार निरस्त करना पड़ा। अब जब तक प्रशासन द्वारा अनावरण की नई तारीख तय की जाएगी, तब सुधार कार्य प्रक्रियाधीन बताए जा रहे हैं।

18 महीने की निर्धारित समयावधि में पूरा होने वाला यह प्रोजेक्ट तय समय पर पूरा नहीं हो सका। ठेकेदार ने दो बार समय सीमा (एक्सटेंशन) बढ़वाई और इस कार्य को पूरा होने में लगभग 3 साल का लंबा वक्त बीत गया। इसके बावजूद इस तरह का घटिया निर्माण प्रशासनिक व्यवस्था और मॉनिटरिंग पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है।

कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त, जिला-भोपाल (म.प्र.)

:: निविदा विज्ञप्ति ::

आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश ग्वालियर के पत्र क्रमांक/9-लेखा/बजट/2025-26/E-1163732/I/1159911 दिनांक 13/07/2026 के परिपालन में मध्यप्रदेश शासन, वित्त् विभाग, मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल द्वारा जारी पत्र क्रमांक एफ बी-2 (ए)/09/2010/2/V/I/1035416/2026, भोपाल, दिनांक 22.05.2026 एवं मध्यप्रदेश शासन, वित्त विभाग, मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल द्वारा जारी पत्र क्रमांक एफ 11-16/2012/नियम/चार, भोपाल, दिनांक 24.12.2013 में वर्णित मार्गदर्शी सिद्धांत का पालन करते हुये मध्यप्रदेश शासन के भण्डार क्रय एवं सेवा उपार्जन नियमों के अंतर्गत ई-टेण्डर के माध्यम से वाहनों का अनुबंध करने हेतु सर्वसाधारण एवं टैक्सी परमिट धारी वाहन स्वामी/ट्रेवल्स एजेंसी स्वामी की विशेष जानकारी हेतु यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि, कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त, जिला भोपाल में आबकारी अपराधों पर नियंत्रण की दृष्टि से प्रवर्तन कार्य हेतु वर्ष 2026-27 की शेष अवधि (01/08/2026 से 31/03/2027) के लिये 11 (ग्यारह) वाहनों की आवश्यकता है। वाहन अनुबंध की कार्यवाही गठित समिति द्वारा एनआईसी के पोर्टल https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से निम्नानुसार सम्पन्न की जावेगी।

निष्पादन स्थल :- कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त, जिला भोपाल

1	ई-टेंडर हेतु ऑनलाईन टेण्डर प्रपत्र डाउनलोड एवं ऑफर सबमिट करने की तिथि एवं समय	दिनांक 18.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे से दिनांक 27.07.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तक
2	समिति द्वारा ई-टेण्डर खोलने एवं निराकरण किये जाने की तिथि एवं समय	दिनांक 27.07.2026 को अपरान्ह 03:05 बजे से कार्यवाही पूर्ण होने तक

ई-टेण्डर के माध्यम से वाहन अनुबंध की प्रकिया, शर्तें एवं निर्बंधन NIC के पोर्टल (https://mptenders.gov.in) से डाउनलोड की जा सकती है अथवा कार्यालय सहायक आबकारी आयुक्त जिला भोपाल में कार्यालयीन दिवस/समय में प्राप्त की जा सकती है।

सेवाकर हेतु पंजीकृत कोई भी फर्म/ संस्था ई-टेण्डर की प्रक्रिया में भाग ले सकेगी। उक्त जानकारी पोर्टल (https://mptenders.gov.in) के होम पेज पर लाईव टेंडर के ऑप्शन के अंतर्गत आबकारी विभाग का चयन कर, एडवांस सर्च के माध्यम से जिले को सेलेक्ट कर प्राप्त की जा सकती है।

ई-टेण्डर की प्रक्रिया हेतु आवेदक का एमपी टेण्डर्स के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन होना एवं डिजिटल सिग्नेचर होना अनिवार्य है।

ई-टेण्डर की प्रक्रिया हेतु पोर्टल में पंजीयन करने, भुगतान प्रक्रिया तथा ई-टेण्डर प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्राप्त करने हेतु टेंडरदाता NIC के पोर्टल के हेल्पडेस्क नम्बर 0120-4001 002, 0120-4001 005 अथवा 0120-4493395 पर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालयीन समय में सम्पर्क कर उक्त जानकारी प्राप्त कर सकता है। साथ ही ई-मेल आई.डी. mptenders@mpsedc.com& support&eproc@nic.in पर सम्पर्क कर आवश्यक सहयोग प्राप्त कर सकता है।

सहायक आबकारी आयुक्त,
जिला-भोपाल (म.प्र.)

जी-16107/26

राष्ट्रमंडल खेल 2026: तैराकी और जूडो से मिली निराशा

झंडू कुमार ने दिलाया पहला पदक, पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य से खुला खाता

ग्लास्गो, एजेंसी

राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दूसरे दिन भारत के लिए खुशी और निराशा दोनों देखने को मिलीं। पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष हेवीवेट वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत का पदक खाता खोल दिया। वहीं पैरा तैराकी, पैरा पावरलिफ्टिंग की अन्य स्पर्धाओं और जूडो में भारतीय खिलाड़ियों को निराशा हाथ लगी। कई खिलाड़ी पदक के बेहद करीब पहुंचे, लेकिन अंतिम क्षणों में बाजी उनके हाथ से निकल गई।

पुरुष हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग फाइनल में झंडू कुमार ने 130.9 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। झंडू ग्रुप-बी में शीर्ष पर रहे और एक समय स्वर्ण पदक की दौड़ में भी नजर आ रहे थे। हालांकि, नाइजीरिया के रिलुवान इदरिस (132.8 अंक) और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग (131 अंक) ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीत लिए। भारत के एक अन्य खिलाड़ी सुधीर 114.1 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे।

श्रीहरि नटराज फाइनल में जगह बनाने से चूके- भारत के अनुभवी तैराक और दो बार के ओलंपियन श्रीहरि नटराज पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा के फाइनल में जगह नहीं बना सके। उन्होंने सेमीफाइनल में 25.29 सेकेंड का समय निकाला और कुल 11वें स्थान पर रहे, जबकि फाइनल के लिए शीर्ष आठ तैराकों का चयन हुआ। दक्षिण अफ्रीका के पीटर कोएट्ज़े ने 24.29 सेकेंड के गेम्स रिकॉर्ड के साथ सबसे तेज क्वालिफाई किया। इससे पहले हीट में नटराज ने 25.52 सेकेंड का समय निकालकर संयुक्त 14वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया था।

बुडिगिना और इमाम अली पदक से दूर

पैरा तैराकी की पुरुष 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 स्पर्धा में आरवीवीबीके बुडिगिना कांस्य पदक से बेहद करीब रह गए। उन्होंने 57.57 सेकेंड का समय निकालकर चौथा स्थान हासिल किया। भारत के दूसरे तैराक इमाम अली 1ः03.73 मिनट के समय के साथ सातवें स्थान पर रहे। इस स्पर्धा का स्वर्ण दक्षिण अफ्रीका के नाथन हेनरिक्स ने जीता, जबकि स्कॉटलैंड के स्टीफन क्लेग और इंग्लैंड के मैथ्यू रेडफर्न ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए।

जसप्रीत का दमदार प्रदर्शन भी नहीं दिला सका पदक- महिला लाइटवेट पैरा पावरलिफ्टिंग में जसप्रीत कौर ने ग्रुप-बी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया और अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बावजूद ग्रुप-ए के खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के कारण वह कुल 96.4 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहीं।

पैरा पावरलिफ्टिंग में कई उम्मीदें टूटीं

पुरुष लाइटवेट पैरा पावरलिफ्टिंग में अशोक मलिक और परमजीत कुमार से पदक की उम्मीद थी, लेकिन दोनों सफल नहीं हो सके। अशोक मलिक ने अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 200 किलोग्राम वजन उठाकर 143.8 अंक हासिल किए, लेकिन अंतिम प्रयास में 205 किलोग्राम उठाने में असफल रहने के कारण चौथे स्थान पर रह गए। परमजीत कुमार छठे स्थान पर रहे। महिला हेवीवेट वर्ग में कस्तुरबा राजमणि भी पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। वह अपने तीनों प्रयासों में 111 और 112 किलोग्राम वजन उठाने में असफल रहीं और प्रतियोगिता समाप्त कर दी।

डोपिंग नियम उल्लंघन के कारण तुलिका मान बाहर

भारत को जूडो में भी बड़ा झटका लगा। पिछली बार रजत पदक जीतने वाली जूडोका तुलिका मान प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ही बाहर हो गईं। रहने के स्थान की जानकारी तीन बार समय पर उपलब्ध नहीं कराने के कारण उन्हें निलंबित कर दिया गया, जिससे वह राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं ले सकीं। भारत के लिए दूसरे दिन की शुरुआत कांस्य पदक के साथ सकारात्मक रही, लेकिन कई खिलाड़ियों के पदक से मामूली अंतर से चूकने के कारण दिन मिश्रित परिणामों वाला रहा। अब भारतीय दल को आने वाले मुकाबलों में अपने प्रदर्शन से पदकों की संख्या बढ़ाने की उम्मीद होगी।

टी20 रन मशीन बने जोस बटलर

क्रिस गेल को पीछे छोड़ बने दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

द हंड्रेड में छोटी पारी, लेकिन बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज और पूर्व कप्तान जोस बटलर ने टी20 क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। द हंड्रेड 2026 में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स और लंदन स्पिरिट के बीच लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए मुकाबले में बटलर ने भले ही 11 गेंदों पर 16 रन बनाए, लेकिन यह छोटी पारी उन्हें टी20 क्रिकेट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में स्थापित करने के लिए काफी रही। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया।

बटलर के नाम अब टी20 क्रिकेट की 487 पारियों में 14,572 रन दर्ज हो गए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 146.74 का रहा है। उन्होंने अपने करियर में 9 शतक और 102 अर्धशतक भी लगाए हैं। लगातार आक्रामक बल्लेबाजी और बेहतरीन निरंतरता के दम पर उन्होंने टी20 क्रिकेट के महान बल्लेबाजों की सूची में खुद को और ऊपर पहुंचा दिया है।

टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड फिलहाल वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड के नाम है, जिन्होंने 14,803 रन बनाए हैं। बटलर इस रिकॉर्ड से सिर्फ 231 रन पीछे हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए माना जा रहा है कि वह इसी सीजन में पोलार्ड को पीछे छोड़कर टी20 क्रिकेट के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं।

टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

कीरोन पोलार्ड	14,803 रन
जोस बटलर	14,572 रन
क्रिस गेल	14,562 रन
एलेक्स हेल्स	14,449 रन
डेविड वॉर्नर	14,284 रन
विराट कोहली	14,218 रन

खराब दौर से शानदार वापसी

कुछ समय पहले तक बटलर का प्रदर्शन सवालों के घेरे में था। टी20 विश्व कप 2026 में वह पूरी तरह फ्लॉप रहे थे और 8 पारियों में केवल 87 रन बना सके थे। उनका औसत महज 10.67 रहा, जिसके बाद उनकी फॉर्म को लेकर लगातार आलोचना हुई। हालांकि आईपीएल 2026 उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। गुजरात टाइटन्स के लिए खेलते हुए उन्होंने 152.46 के स्ट्राइक रेट से 526 रन बनाए और फिर भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के अंतिम मैच में 64 गेंदों पर नाबाद 131 रन की विस्फोटक पारी खेलकर अपनी लय हासिल कर ली।

एशियन गेम्स क्रिकेट का ड्रॉ जारी

भारत को क्वार्टर फाइनल का टिकट गोल्ड बचाने उतरेगी श्रेयस की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 की क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए ड्रॉ और ग्रुप्स का ऐलान कर दिया गया है। मौजूदा चैंपियन भारत को पुरुष और महिला दोनों वर्गों में बड़ी राहत मिली है। पुरुष टीम को अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है, जबकि महिला टीम भी अपने अभियान की शुरुआत सीधे क्वार्टर फाइनल से करेगी। पुरुष टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में होगी, जबकि महिला टीम की पहली टक्कर जापान से होगी।

पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक जापान के नागोया में खेली जाएगी। सभी मुकाबले टी-20 प्रारूप में होंगे। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका को उनकी रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गई है। इन चारों टीमों को ग्रुप चरण नहीं खेलना पड़ेगा और वे सीधे नॉकआउट मुकाबलों में उतरेंगी। दूसरी ओर अफगानिस्तान, हॉन्ग कॉन्ग, जापान, मलेशिया, नेपाल और ओमान को पहले ग्रुप चरण से गुजरना होगा। इन टीमों के प्रदर्शन के आधार पर क्वार्टर फाइनल में भारत समेत शीर्ष चार टीमों के प्रतिद्वंद्वी तय होंगे।

महिला टीम का पहला मुकाबला जापान से

महिला क्रिकेट प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर के बीच आयोजित होगी। इसमें कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी और सभी मुकाबले सीधे क्वार्टर फाइनल से शुरू होंगे। भारतीय महिला टीम का पहला मुकाबला जापान से होगा। वहीं अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में बांग्लादेश का सामना चीन, श्रीलंका की भिड़ंत मलेशिया और पाकिस्तान की टक्कर थाईलैंड से होगी।

श्रेयस अय्यर की युवा टीम की नजर सीरीज जीत पर

दूसरे टी20 में अभिषेक को आराम, प्रभसिमरन के डेब्यू की उम्मीद, वैभव पर भी रहेंगी नजरें

गेंदबाजी में अशोक शर्मा को एक और मौका मिलने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 श्रृंखला का दूसरा मुकाबला आज हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। पहले मुकाबले में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम की नजर अब श्रृंखला पर कब्जा जमाने पर है। नए कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में युवा भारतीय टीम ने शुरुआत में ही दमदार प्रदर्शन किया है। ऐसे में कप्तान की कोशिश होगी कि दूसरे मुकाबले में जीत हासिल कर श्रृंखला अपने नाम की जाए और उन्हें बतौर कप्तान पहली टी20 श्रृंखला की ट्रॉफी मिले।

पहले मुकाबले में जीत के बाद भारतीय टीम प्रबंधन के सामने अब टीम के संतुलन और खिलाड़ियों के कार्यभार को सही तरीके से संभालने की चुनौती है। इसी वजह से दूसरे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम की अंतिम एकादश में एक बदलाव देखने को मिल सकता है। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को आराम दिए जाने की संभावना है और उनकी जगह युवा बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का अवसर मिल सकता है। गेंदबाजी विभाग में पहले मुकाबले में पदार्पण करने वाले अशोक शर्मा ने चार ओवर में 29 रन दिए थे और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। इसके बावजूद दूसरे टी20 में उन्हें बाहर किए जाने की संभावना कम है। टीम प्रबंधन युवा खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देने की नीति पर आगे बढ़ रहा है।

प्रभसिमरन को मिल सकता है बड़ा मौका

अगर अभिषेक को आराम दिया जाता है तो प्रभसिमरन सिंह को अंतरराष्ट्रीय पदार्पण का मौका मिलने की उम्मीद है। वह वैभव सूर्यवंशी के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं। दोनों के बीच बाएं और दाएं हाथ का संयोजन भारतीय टीम के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। प्रभसिमरन आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं और पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में उनके शामिल होने से भारतीय टीम को शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाने का विकल्प मिलेगा। वहीं फैंस की नजरें वैभव सूर्यवंशी रहेंगी। अगर उनका बल्ला एक बार फिर चला, तो मेजबान टीम के गेंदबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ना तय माना जा रहा है. वैभव ने पहले मैच में धमाकेदार 19 गेंदों पर 50 रन जड़े थे. यह वैभव के इंटरनेशनल करियर का पहला अर्धशतक था.

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

तनुश्री दत्ता का बड़ा दावा, मेरे काम में डाली जा रही रुकावट, ब्रांड्स और फिल्म इंडस्ट्री को दी चेतावनी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तनुश्री दत्ता एक बार फिर अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने अपने पेशेवर कामकाज को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए दावा किया है कि कुछ लोग उनके करियर और नए प्रोजेक्ट्स में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर साझा की गई एक विस्तृत पोस्ट में अभिनेत्री ने कहा कि उनके साथ काम करने के इच्छुक ब्रांड्स, इवेंट आयोजकों और फिल्म निर्माताओं तक गलत जानकारी पहुंचाई जा रही है, जिससे उनके काम पर असर पड़ रहा है।

झूठी जानकारी देकर बिगाड़ी जा रही बातचीत- तनुश्री ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर उनके नाम पर भ्रम फैलाते हैं और संभावित क्लाइंट्स को गुमराह करते हैं। उनके अनुसार, कई बार बातचीत शुरुआती दौर में ही गलत दिशा में मोड़ दी जाती है, जिससे उनके साथ होने वाले प्रोजेक्ट्स प्रभावित हो जाते हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस तरह की गतिविधियों का उद्देश्य उन्हें पेशेवर नुकसान पहुंचाना है।

ब्रांड्स और आयोजकों से की सतर्क रहने की अपील- अपनी पोस्ट में तनुश्री ने ब्रांड्स, इवेंट मैनेजर्स और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके नाम पर किसी भी तरह का भुगतान करने से पहले पूरी तरह पुष्टि कर लें। उन्होंने कहा कि उनके सभी व्यावसायिक लेन-देन एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत होते हैं और भुगतान केवल उनके आधिकारिक बैंक खाते में ही स्वीकार किया जाता है। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि वह किसी भी प्रकार का नकद लेन-देन नहीं करतीं और उनके सभी भुगतान कानूनी प्रक्रिया तथा सरकारी नियमों के अनुसार किए जाते हैं।

व्हाट्सऐप और इनवॉइस से ही करें पुष्टि

तनुश्री ने लोगों से आग्रह किया कि किसी भी भुगतान या व्यावसायिक समझौते से पहले उनके आधिकारिक व्हाट्सऐप नंबर से जारी इनवॉइस की पुष्टि अवश्य करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकृत दस्तावेजों में कानूनी और पंजीकृत जानकारी उपलब्ध रहती है। इसके अलावा उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी बिचौलिए, एजेंट या अनजान व्यक्ति के कहने पर पैसे या सामान न भेजें। यदि उनके नाम पर कोई संदेहास्पद गतिविधि सामने आती है तो संबंधित व्यक्ति सीधे उनसे संपर्क कर सकता है।

आदित्य चोपड़ा-अली अब्बास जफर फिर साथ, बॉबी देओल और अहान की नई फिल्म की रिलीज डेट तय

यशराज फिल्म्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक अली अब्बास जफर की यह अनटाइटल्ड फिल्म अब 26 मार्च 2027, यानी गुड फ्राइडे के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अहान पांडे, शरवरी, ऐश्वर्य ठाकरे और बॉबी देओल प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म के नाम का खुलासा अभी नहीं किया गया है।

फिल्म की अधिकांश शूटिंग यूके में की गई है। बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही इस फिल्म को रोमांस, दमदार एक्शन और इमोशनल ड्रामा का मिश्रण बताया जा रहा है। फिल्म के जरिए यशराज फिल्म्स एक नई जोड़ी और नए चेहरों को बड़े पर्दे पर पेश करने की तैयारी में है। यह फिल्म आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की साथ में पांचवीं परियोजना है। इससे पहले दोनों मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है जैसी सफल फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था और अली अब्बास जफर को बॉलीवुड के सफल निर्देशकों की कतार में खड़ा किया। फिल्म में अहान पांडे एक ऐसे युवा किरदार में दिखाई देंगे, जो अपने साहस और ताकत के दम पर दुश्मनों का सामना करता है। वहीं, ऐश्वर्य ठाकरे फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। बॉबी देओल और शरवरी भी कहानी में अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की स्टारकास्ट और एक्शन को लेकर पहले से ही दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। अली अब्बास जफर ने निर्देशन की शुरुआत वर्ष 2011 में रिलीज हुई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म मेरे ब्रदर की दुल्हन से की थी, जिसे आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया था।

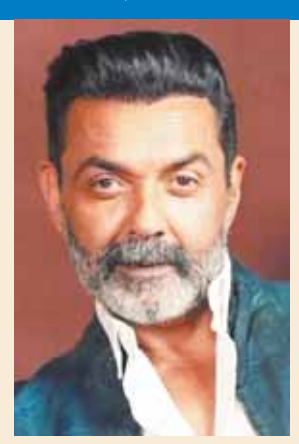

मेट्रो बाजार

एसएमई कंपनियों ने जनवरी-जून में लगभग 80 आईपीओ के जरिए जुटाए 3,752 करोड़

नई दिल्ली। देश में लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) ने कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून) के दौरान 78 प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए कुल 3,752 करोड़ रुपए जुटाए। बी2के एनालिटिक्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान जुटाई गई राशि का सबसे बड़ा हिस्सा नए शेयर जारी करने (फ्रेश कैपिटल) से आया, जिससे करीब 3,555 करोड़ रुपए जुटाए गए, जो कुल इश्यू साइज का लगभग 95 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 197 करोड़ रुपए जुटाए गए, जो कैलेंडर वर्ष 2025 की पहली छमाही के 328 करोड़ रुपए की तुलना में काफी कम है। इससे संकेत मिलता है कि कंपनियां मौजूदा शेयरधारकों की हिस्सेदारी बेचने के बजाय कारोबार के विस्तार के लिए नई पूंजी जुटाने पर अधिक जोर दे रही हैं।

हालांकि, पहली छमाही 2026 में एसएमई आईपीओ की संख्या पहली छमाही 2025 के 88 और पहली छमाही 2024 के 116 आईपीओ की तुलना में कम रही, लेकिन जुटाई गई कुल राशि पहली छमाही 2025 के 4,004 करोड़ रुपए के मुकाबले केवल मामूली रूप से कम रही। इससे पता चलता है कि कम संख्या में आईपीओ आने के बावजूद अच्छी गुणवत्ता वाली एसएमई कंपनियों को पूंजी बाजार से पर्याप्त निवेश मिलता रहा।

दवा कंपनियों पर सरकार का सख्त एक्शन! डॉक्टरों को गिफ्ट और नकद लाभ पर रोक

नई दिल्ली। दवा कंपनियों की मार्केटिंग प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र सरकार ने सख्त कदम उठाया है। यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेज (यूसीपीएमपी), 2024 के तहत कई नए और कड़े प्रावधान लागू किए गए हैं। इन नियमों का उद्देश्य दवाओं के प्रचार-प्रसार में नैतिकता सुनिश्चित करना, अनैतिक मार्केटिंग पर रोक लगाना और डॉक्टरों तथा दवा कंपनियों के बीच होने वाले व्यावसायिक संबंधों को अधिक पारदर्शी बनाना है।

नए नियमों के तहत प्रत्येक दवा कंपनी को एथिक्स कमेटी फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेज (ईसीपीएमपी) का गठन करना होगा। इसके साथ ही एक एथिक्स ऑफिसर की नियुक्ति भी अनिवार्य होगी, जो यह सुनिश्चित करेगा कि कंपनी सभी निर्धारित नियमों का पालन कर रही है। कंपनियों को शिकायतों के निपटारे और अपील के लिए दो-स्तरीय व्यवस्था भी विकसित करनी होगी। इसके अलावा, हर कंपनी को स्व-घोषणा पत्र देना होगा कि वह यूसीपीएमपी के सभी प्रावधानों का पालन कर रही है।

सरकार ने फार्मा कंपनियों के लिए वित्तीय पारदर्शिता भी अनिवार्य कर दी है। अब कंपनियों को हर वर्ष निर्धारित पोर्टल पर अपने मार्केटिंग खर्च का पूरा विवरण जमा करना होगा। इसमें कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई), कंटीन्यूइंग प्रोफेशनल डेवलपमेंट (सीपीडी), कॉन्फ्रेंस, सेमिनार और वर्कशॉप जैसे कार्यक्रमों पर किए गए खर्च का भी खुलासा करना होगा। सरकार का मानना है कि इससे दवा कंपनियों के प्रचार-प्रसार में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसी भी प्रकार के अनुचित प्रभाव को रोका जा सकेगा।

मोहन के ताजा प्रशासनिक बदलावों के पीछे छिपा है जनता से बेहतर जुड़ाव का संदेश

समाचार विश्लेषण
● राजेश सिरोठिया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कार्यशैली पर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन प्रशासनिक टीम चुनने की उनकी शैली लगातार ध्यान खींच रही है। हालिया फेरबदल भी यही संकेत देता है कि वे केवल वरिष्ठता नहीं, बल्कि परिणाम देने वाले अधिकारियों पर दांव लगा रहे हैं। यदि उनकी सलाहकार टीम योग्य अधिकारियों की पहचान कर रही है, तो इस बदलाव में उसकी छाप साफ दिखाई देती है।

मुख्य सचिव अनुराग जैन के नीति आयोग के सीईओ बनने के बाद अशोक वर्णवाल का मुख्य सचिव बनना तय माना जा रहा था। इसके साथ ही उनसे वरिष्ठ एसीएस डॉ. राजेश राजौरा की मंत्रालय से विदाई भी लगभग तय थी। लेकिन उन्हें न केवल मंत्रालय बल्कि एनवीडीए से भी हटाकर केवल प्रशासन अकादमी तक सीमित कर देना इस फेरबदल का सबसे बड़ा और अप्रत्याशित फैसला है। इससे साफ है कि मुख्यमंत्री अब प्रशासनिक ढांचे में नई कार्यशैली लागू करना चाहते हैं। इसके समानांतर सचिन सिन्हा की मुख्यधारा में वापसी भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। उन्हें लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सौंपकर सरकार ने पेयजल और हर घर नल योजना को सर्वोच्च प्राथमिकता का संकेत दिया है। आने वाले महीनों में उनकी सफलता सीधे सरकार के प्रदर्शन से जुड़ी होगी। इस फेरबदल का सबसे बड़ा संदेश केवल अधिकारियों की अदला-बदली नहीं, बल्कि प्रशासन का जनोन्मुखीकरण है। पूर्व आईएएस

अजातशत्रु को राजनीतिक सलाहकार बनाना इसी सोच की शुरुआत थी। अब मुख्यमंत्री सचिवालय में ऐसे अधिकारियों को लाया जा रहा है, जिन्हें जनता और मैदानी प्रशासन का व्यापक अनुभव है।

इसी क्रम में इंदौर के संभागायुक्त सुदाम खाड़े को मुख्यमंत्री सचिवालय में सचिव बनाना महत्वपूर्ण फैसला है। सीहोर और भोपाल जैसे जिलों में कलेक्टर रहने के साथ वे जनसंपर्क और स्वास्थ्य विभाग भी संभाल चुके हैं। उनका अनुभव मुख्यमंत्री कार्यालय और आम नागरिकों के बीच संवाद को अधिक प्रभावी बना सकता है। कृषि उत्पादन आयुक्त के साथ उद्यानिकी विभाग की जिम्मेदारी के.सी. गुप्ता को देना किसानों पर सरकार के बढ़ते फोकस का संकेत है। वहीं, प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई को उद्योग विभाग सौंपकर मुख्यमंत्री ने निवेश और औद्योगीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में ऊपर रखा है। आगर की कलेक्टर प्रीति यादव को इंदौर औद्योगिक विकास निगम भेजना भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जाना चाहिए।

वन विभाग से संदीप यादव को जल संसाधन विभाग में भेजना सिंचाई परियोजनाओं को गति देने की कोशिश है। अदिति गर्ग को खाद्य आयुक्त और राघवेंद्र सिंह को प्रमुख सचिव वन बनाना भी विभागीय विशेषज्ञता पर भरोसा दर्शाता है। भास्कर लाक्षाकार को इंदौर का संभागायुक्त तथा कुमार पुरुषोत्तम को मुख्यमंत्री सचिवालय में अपर सचिव बनाकर मुख्यमंत्री ने फिर स्पष्ट किया है कि वे अपने आसपास भरोसेमंद और परिणाम देने वाली टीम चाहते हैं। यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री ने ऐसे संकेत दिए हों। इससे पहले मनीष सिंह और बाद में अरविंद दुबे को जनसंपर्क से जुड़ी अहम जिम्मेदारियां देकर भी उन्होंने स्पष्ट किया था कि सरकार केवल काम नहीं करना चाहती, बल्कि उन कामों की जानकारी प्रभावी ढंग से जनता तक भी पहुंचाना चाहती है।

कुल मिलाकर यह फेरबदल केवल तबादलों की सूची नहीं है। इसके पीछे प्रशासन को अधिक जवाबदेह, परिणामोन्मुख और जनसरोकारों के करीब लाने की सोच दिखाई देती है। अब असली परीक्षा नए मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल और उनकी टीम की होगी। यदि यह टीम सरकार की प्राथमिकताओं को धरातल पर उतारने में सफल रही, तो यह फेरबदल डॉ. मोहन यादव के अब तक के सबसे प्रभावी प्रशासनिक निर्णयों में गिना जाएगा।

उज्जैन स्टेशन पर पहली बार वन-वे ट्रैफिक का प्लान, ड्रोन से होगी निगरानी

सावन में महाकाल के दरबार में उमड़ेगा आस्था का सैलाब, रोज 95 हजार श्रद्धालुओं की बुकिंग

उज्जैन. एजेंसी

श्रावण-भादौ मास में बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन में इस बार श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड भीड़ उमड़ने की संभावना है। अगस्त और सितंबर के लिए ट्रेनों में हुई एडवांस बुकिंग ने पिछले वर्षों के आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है। रेलवे के अनुसार सामान्य दिनों में उज्जैन स्टेशन पर रोज करीब 72 हजार यात्री पहुंचते हैं, जबकि 30 जुलाई से 7 सितंबर तक चलने वाले श्रावण-भादौ मास के लिए अभी से प्रतिदिन करीब 95 हजार यात्रियों की टिकट बुकिंग हो चुकी है।

बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे पहली बार उज्जैन स्टेशन पर वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है। प्रस्ताव के अनुसार प्लेटफॉर्म नंबर-1 से यात्रियों को प्रवेश दिया जाएगा, जबकि प्लेटफॉर्म नंबर-8 की ओर से निकास की व्यवस्था होगी। माल गोदाम की ओर से प्रवेश बंद रखा जाएगा। महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। इस बार भोपाल रूट पर यात्रियों का दबाव देखते हुए छह अतिरिक्त ट्रेनें चलाने की तैयारी है। स्टेशन के बाहर 1200 यात्रियों की क्षमता वाला वाटरप्रूफ होल्डअप एरिया भी बनाया जा रहा है। सुरक्षा के लिए 50 अतिरिक्त जवानों की मांग के साथ सीसीटीवी बढ़ाए जा रहे हैं और पहली बार ड्रोन से भीड़ की निगरानी होगी। रेलवे के अनुसार यह व्यवस्था आगामी सिंहस्थ महापर्व के लिए भी क्राउड मैनेजमेंट का ट्रायल साबित हो सकती है।

प्लेटफॉर्म-1 से एंट्री, प्लेटफॉर्म-8 से होगा एग्जिट

श्रावण-भादौ में बढ़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उज्जैन रेलवे स्टेशन पर पहली बार वन-वे यातायात व्यवस्था लागू करने की तैयारी है। आरपीएफ थाना प्रभारी नरेंद्र यादव के अनुसार इस संबंध में रेल मंडल को प्रस्ताव भेजा गया है। योजना के तहत यात्रियों को प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर से स्टेशन में प्रवेश दिया जाएगा, जबकि प्लेटफॉर्म नंबर-8 की ओर से बाहर निकलने की व्यवस्था रहेगी। माल गोदाम की तरफ से यात्रियों का प्रवेश पूरी तरह बंद रखा जाएगा। इसका उद्देश्य स्टेशन के अलग-अलग हिस्सों में यात्रियों की आवाजाही को व्यवस्थित करना और एक ही स्थान पर भीड़ का दबाव कम करना है। रेलवे को उम्मीद है कि वन-वे व्यवस्था से प्रवेश और निकास के दौरान होने वाली अव्यवस्था कम होगी और श्रद्धालुओं को स्टेशन से बाहर निकलने में भी आसानी होगी।

1200 यात्रियों के लिए बनेगा वाटरप्रूफ होल्डअप एरिया

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर 1200 यात्रियों की क्षमता वाला वाटरप्रूफ होल्डअप एरिया तैयार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यात्रियों को एक साथ स्टेशन के अंदर प्रवेश देने के बजाय चरणबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म तक पहुंचाना है। बारिश के मौसम को देखते हुए इस क्षेत्र को वाटरप्रूफ बनाया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को मौसम की परेशानी से बचाया जा सके। यहां यात्रियों के लिए जरूरी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी है। रेलवे का मानना है कि होल्डअप एरिया से स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर अचानक बढ़ने वाली भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा। श्रद्धालुओं की संख्या निर्धारित क्षमता से अधिक होने पर उन्हें कुछ समय के लिए इसी क्षेत्र में रोककर व्यवस्थित तरीके से स्टेशन में प्रवेश कराया जाएगा।

50 जवान और ड्रोन से होगी निगरानी

महाकाल में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे सुरक्षा और यात्री सुविधाओं को मजबूत करने में जुटा है। सबसे ज्यादा दबाव भोपाल रूट पर रहने की संभावना को देखते हुए इस मार्ग पर छह अतिरिक्त ट्रेनें चलाने की तैयारी है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए 50 अतिरिक्त जवानों की मांग की गई है। स्टेशन परिसर में सीसीटीवी कैमरों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। पहली बार ड्रोन के जरिए स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में भीड़ की निगरानी करने की योजना है। इससे भीड़ की स्थिति पर नजर रखने और किसी भी आपात परिस्थिति में तत्काल कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। रेलवे और प्रशासन का मानना है कि सावन-भादौ में लागू होने वाली ये व्यवस्थाएं भविष्य में सिंहस्थ महापर्व के दौरान बड़े स्तर पर भीड़ प्रबंधन की रणनीति तैयार करने में उपयोगी साबित होंगी।

विस्फोटकों से भरी गाड़ी सुरक्षा चौकी से टकराई

पाक के बम धमाके में 12 सैनिकों समेत 15 की मौत

इस्लामाबाद . एजेंसी

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी सुरक्षा चौकी से टकरा दी, जिससे 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई।

सेना ने बताया कि बीती रात खैबर पख्तूनख्वा में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी को सुरक्षा चौकी से टकरा दिया, जिसके बाद गाड़ी में विस्फोट हो गया। 15 मृतकों में 12 सैनिक, 2 पुलिसकर्मी और वन विभाग का एक पूर्व सरकारी अधिकारी शामिल हैं। सेना के बयान के अनुसार, यह हमला टैंक जिले में

हुआ, जहां उग्रवादियों ने विस्फोटक से लदी गाड़ी को सुरक्षा चेक पोस्ट की बाहरी दीवार से टकरा दिया, जिससे जबरदस्त धमाका हुआ और उस जगह को भारी नुकसान पहुंचा। सेना के मुताबिक, हमले के दौरान सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और 12 उग्रवादियों को मार गिराया।

कनाडा में लुधियाना की महिला की गला दबाकर हत्या, लिव-इन पार्टनर गिरफ्तार

ओटावा . एजेंसी

कनाडा के एडमोंटन में पंजाबी की एक 23 साल की भारतीय महिला की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने महिला की हत्या के आरोप में उसके पार्टनर को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान दमनप्रीत कौर के रूप में हुई है। दमनप्रीत पंजाब के लुधियाना के समराला की रहने वाली थी। पुलिस के मुताबिक, 9 जुलाई 2026 को शाम करीब 6.44 बजे उन्हें सिल्वरबेरी इलाके में एक घर से कॉल मिली। वहां एक बेहोश महिला मिली थी जिसके शरीर पर चोटों के निशान थे। पुलिस ने मौके से तुरंत एक 22 साल के युवक को हिरासत में लिया।

दो सिख महिला सांसदों को भी फ्रंट बेंच में अहम जिम्मेदारी

ब्रिटेन की नई सरकार में भारतवंशियों का बढ़ा दबदबा, कनिष्क नारायण बने एआई मंत्री

लंदन. एजेंसी

ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम के मंत्रिमंडल में भारतीय मूल के युवा सांसदों का कद बढ़ा है। जुलाई 2024 में सांसद चुने गए 36 वर्षीय कनिष्क नारायण को एआई मंत्री की अहम जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा दो सिख महिला सांसदों सतवीर कौर और हरप्रीत उप्पल को भी सरकार की फ्रंट बेंच में जगह मिली है। नए बदलाव के बाद बर्नहैम सरकार की फ्रंट बेंच में अब दो हिंदू और दो सिख सांसद शामिल हो गए हैं।

श्रीलंकाई मूल की हिंदू सांसद उमा कुमारन को विदेश कार्यालय में जूनियर मंत्री बनाया गया है। वहीं, कोलकाता में जन्मे दीपक नंदी की बेटी लिसा नंदी को संस्कृति सचिव के पद पर बरकरार रखा गया है।

लिसा नंदी का जन्म मैनचेस्टर में हुआ है, जहां एंडी बर्नहैम लंबे समय तक मेयर रह चुके हैं।

बर्नहैम के मंत्रिमंडल में दो प्रमुख भारतीय मूल के चेहरों की विदाई भी हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की करीबी मानी जाने वाली सीमा मल्होत्रा और प्रीत कौर गिल को नई सरकार में जगह नहीं मिली और दोनों को बैकबेंच पर भेज दिया गया। दोनों 53 वर्षीय सांसद पंजाब के जालंधर से जुड़ी हैं। स्टार्मर के नेतृत्व पर संकट के दौरान दोनों ने सार्वजनिक रूप से उनका समर्थन किया था। हरप्रीत उप्पल को एंडी बर्नहैम के साथ पुराने राजनीतिक अनुभव का लाभ मिला। उन्होंने 2017 के ग्रेटर मैनचेस्टर मेयर चुनाव अभियान में बर्नहैम के साथ काम किया था। हडर्सफील्ड से सांसद उप्पल को असिस्टेंट व्हिप बनाया गया है। वहीं, साउथम्प्टन टेस्ट से सांसद सतवीर कौर को सुरक्षा, महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा तथा समानता मामलों की मंत्री की जिम्मेदारी मिली है। उनके माता-पिता पंजाब से हैं और साउथम्प्टन में साड़ी की दुकान चलाते थे। नए मंत्रिमंडल में भारतीय और सिख समुदाय की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी को ब्रिटेन की बदलती राजनीति में महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

बंगाल में छात्राओं ने शिक्षक के सिर पर जूता रख की झाड़ू से पिटाई

कोलकाता. एजेंसी। बंगाल के उत्तर 24 परगना के गोबरडांगा हिंदू कॉलेज में एक अतिथि शिक्षक के खिलाफ छात्राओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। छात्राओं का आरोप है कि शिक्षक लंबे समय से उनके साथ अनुचित व्यवहार कर रहे थे।

विरोध के दौरान कुछ छात्राएं शिक्षक के सिर पर जूता रखकर उनकी झाड़ू से पिटाई करते हुए सड़क पर दौड़ाते हुए ले गईं। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शिक्षक को प्रदर्शनकारियों से बचाया और हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मामले में लिखित शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है। आरोपित शिक्षक को हिरासत में लिया गया है। यह भी जानकारी मिली है कि उन्होंने अपने खिलाफ लगे आरोपों को स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। कॉलेज के प्राचार्य कृष्णकांत मंडल ने कहा कि कालेज प्रशासन को इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। आरोपित शिक्षक कालेज में भूगोल पढ़ाते हैं। हाल में एक छात्रा ने उनके खिलाफ शिकायत की थी।

यमन ने दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको पर किया मिसाइलों से हमला

नई दिल्ली. एजेंसी

यमन से सऊदी अरब पर मिसाइल हमले हुए हैं। इन हमलों में मिसाइल और ड्रोन दोनों का इस्तेमाल किया गया। सऊदी अरब के जिजान औद्योगिक शहर में धमाकों की आवाज सुनी गई। जिजान की एक अहम सऊदी सुविधा को मिसाइल हमले में निशाना बनाया गया। जिससे दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी पर सीधा खतरा मंडरा गया है।

हमले के बाद कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। अरब सूत्रों के अनुसार, यमन ने अरामको से जुड़ी एक तेल सुविधा को भी निशाना बनाया। यमनी जवाबी हमलों ने सऊदी अरब के जिजान, यानबू और दमाद इलाकों को भी प्रभावित किया। इसके साथ ही सऊदी सिविल डिफेंस ने यानबू प्रांत के लिए नेशनल अर्ली वार्निंग प्लेटफॉर्म पर आपातकालीन अलर्ट जारी किया है।

यह हमला उस समय हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे क्षेत्रीय युद्ध के बीच सऊदी अरब और यमन के हूती समूह के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। शुक्रवार की देर रात सऊदी अरब ने यमन के हूती नियंत्रित शहर होदेइदा पर हमले किए थे।

मेट्रो एंकर | 13वीं सदी के इस मंदिर में आस्था, वास्तुकला और विज्ञान का अद्भुत संगम

पानी में तैरती हैं ईंटें...रामप्पा मंदिर की इंजीनियरिंग से दुनिया हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी

आधुनिक दौर में सिविल इंजीनियरिंग ने भले ही नई-नई तकनीकें विकसित कर ली हों, लेकिन भारत के प्राचीन मंदिर आज भी अपनी अद्भुत निर्माण कला से दुनिया को चौंकाते हैं। तेलंगाना के मुलुगु जिले में स्थित रामप्पा मंदिर, जिसे काकतीय रुद्रेश्वर मंदिर भी कहा जाता है, इसका अनूठा उदाहरण है। करीब 800 साल पुराने इस मंदिर की वास्तुकला और निर्माण तकनीक आज भी लोगों के लिए कौतूहल का विषय है। दावा किया जाता है कि मंदिर के निर्माण में इस्तेमाल की गई कुछ हल्की ईंटें और पत्थर पानी में तैर सकते हैं।

यह मंदिर भगवान रामलिंगेश्वर स्वामी को समर्पित है। इसका निर्माण काकतीय वंश के राजा गणपति देव के शासनकाल में सेनापति रेचारला रुद्र की देखरेख में कराया गया था। मंदिर के निर्माण

में रामप्पा नामक शिल्पकार की प्रमुख भूमिका मानी जाती है और इसी कारण इसे रामप्पा मंदिर के नाम से पहचान मिली। इसका निर्माण 1213 के आसपास शुरू हुआ और करीब 40 वर्षों में पूरा हुआ। छह फीट ऊंचे ताराकार मंच पर बना यह मंदिर ग्रेनाइट के स्तंभों, पिरामिडनुमा शिखर और बारीक नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है। इसकी वास्तुकला काकतीय शिल्पकारों की असाधारण प्रतिभा को दर्शाती है। मंदिर को 2021 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।

ईंटों का यह है रहस्य : रामप्पा मंदिर की सबसे चर्चित विशेषताओं में इसकी हल्की ईंटें और पत्थर शामिल हैं। कहा जाता है कि मंदिर के निर्माण में इस्तेमाल की गई कुछ ईंटें इतनी हल्की थीं कि पानी में डालने पर तैरने लगती थीं। यही खासियत इस प्राचीन मंदिर की निर्माण तकनीक को आज भी रहस्यमय बनाती है। बताया जाता है कि पुरातत्व विशेषज्ञों ने इस रहस्य को समझने के लिए मंदिर के एक हिस्से से सामग्री का छोटा नमूना लिया था। जांच के दौरान वह बेहद हल्का पाया गया और पानी में डालने पर उसके तैरने की बात सामने आई। विशेषज्ञों के अनुसार, मंदिर की ऊपरी संरचना में इस्तेमाल की गई हल्की और छिद्रयुक्त ईंटों से वजन कम रखने में मदद मिली होगी।

800 साल पुरानी वास्तुकला में छिपा इंजीनियरिंग का कमाल

रामप्पा मंदिर की संरचना प्राचीन भारतीय वास्तुकला और इंजीनियरिंग की असाधारण समझ को दर्शाती है। मंदिर करीब छह फीट ऊंचे ताराकार मंच पर बना है। इसके विशाल ग्रेनाइट स्तंभों और दीवारों पर देवी-देवताओं, योद्धाओं, नर्तकों और पशु-पक्षियों की बारीक नक्काशी देखने को मिलती है। मंदिर का शिखर पिरामिड जैसी आकृति का है, जबकि पूरी संरचना में वजन को संतुलित रखने वाली तकनीक का इस्तेमाल दिखाई देता है। मंदिर को इस तरह बनाया गया कि इसकी सुंदरता के साथ मजबूती भी बनी रहे। काकतीय काल के शिल्पकारों की यह कला आज भी वास्तु विशेषज्ञों और पर्यटकों को आकर्षित करती है। रामप्पा मंदिर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और वास्तुकला संबंधी महत्ता को देखते हुए इसे 2021 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में स्थान मिला।

उदयपुर : दूध लेने निकला युवक बिजली का तार गिरते ही जिंदा जला

उदयपुर. एजेंसी। शहर से सटे लकड़वास गांव में दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की खुशियां पलभर में उजाड़ दीं। दुकान से दूध लेने निकले 38 वर्षीय लहरीलाल वागरिया पर घर के सामने से गुजर रहा बिजली का तार अचानक टूटकर गिर गया। करंट लगते ही उनके शरीर में आग भड़क उठी और वह लोगों की आंखों के सामने जिंदा जल गए। आसपास मौजूद लोग मदद के लिए दौड़े, लेकिन करंट के भय से कोई भी उन्हें बचाने की हिम्मत नहीं कर सका। चार महीने बाद उनकी दो बेटियों की शादी होनी थी, ऐसे में परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। हादसा सुबह करीब सात बजे हुआ। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे तो पत्नी और बेटियां शव देखकर बेसुध हो गईं। आक्रोशित ग्रामीणों ने झामरकोटड़ा-उदयपुर मार्ग पर जाम लगाकर बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564